गैरसैंण, रविवार
15 दिसम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 210 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## एक नजर

### पटेलनगर में झाडियां में व्यक्ति का शव मिला

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है। शव के करीब कीटनाशक की शीशी मिली है। पटेलनगर बाजार चौकी प्रभारी प्रमोद शाह ने बताया कि शनिवार सुबह सूचना मिली की सहारनपुर रोड के समीप एक खाली प्लॉट में एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में झाड़ियों में लेटा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे 108 सेवा की मदद से कोरोनेशन अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उसके मृत होने की पुष्टि की। चौकी प्रभारी ने बताया कि व्यक्ति के मुहं से झाग निकल रहा था, जबकि शव के बगल में एक कीटनाशक दवा की शीशी पड़ी थी। संभवतः उसने जगह पीकर आत्महत्या की है। शरीर पर किसी भी प्रकार को चोट के निशान नहीं हैं। जेब में मोबाइल, पर्स, सुसाइट नोट आदि नहीं मिला। उन्होंने बताया कि व्यक्ति ने नीले रंग का जैकेट और नीली जींस पहनी थी। व्यक्ति की ऊंचाई करीब 5.6 फीट है। उन्होंने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए कोरोनेशन अस्पताल में रखवाया गया है।

### संभल में मिला 46 साल से बंद मंदिर, भगवान हनुमान की प्रतिमा और शिवलिंग मिला

संभल,उत्तर प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद सरकार कानून ?यवस्?था को लेकर सख?त है।इसी बीच खग्गुसराय के मुस्लिम बहुल इलाके में 46 साल से बंद मंदिर का पता चला है। प्रशासन ने मंदिर को खोला तो उसमें भगवान हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिली हैं।अब प्रशासन ने मंदिर पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है और अतिक्रमियों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि यह मंदिर रस्तोगी परिवार के कुलगुरु है। मंदिर के पास कुंआ और पीपल का पेड़ भी था। पेड़ को लोगों ने काट दिया, जबकि कुएं को खुलवाने का काम जारी है।उन्होंने बताया कि 1978 में हिंदू–मुस्लिम दंगों के बाद हिंदुओं ने इस इलाके को छोड़ दिया था। उसके बाद से ही इस मंदिर को बंद कर उस पर कब्जा कर लिया गया था। अब इसे फिर से खोला गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुबह जब बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था, तो इस जगह टीम पहुंची थी। यहां कई घरों और मस्जिदों में बिजली चोरी होना पाया गया। जांच के दौरान ही यह मंदिर मिल गया। इसकी सूचना जिलाधिकारी को दी गई।उन्होंने बताया कि मौके पर अतिरिक्ति पुलिस बल को बुलाकर जब मंदिर को खोला गया तो इसमें हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिल गई। इसके बार उनकी सफाई कराई गई।

### नगर निगमों का अनंतिम आरक्षण की अधिसूचना जारी

देहरादून। राज्य सरकार ने सभी 11 नगर निगमों में अनंतिम आरक्षण की अधिसूचना जारी कर दी है। शनिवार को अपर सचिव शहरी विकास गौरव कुमार ने यह आदेश किए हैं। देहरादून नगर निगम अनारक्षित रखा है जबकि हरिद्वार नगर निगम ओबीसी महिला और हल्द्वानी ओबीसी के लिए आरक्षित किया है। सरकार ने एक हफ्ते के भीतर आपत्तियां मांगी है। इसके बाद अंतिम आरक्षण अधिसूचना जारी कर दी जाएगा।

### मिस्सरपुर की आवासीय कॉलोनी में घुसा हाथी, जान बचाकर भागे लोग

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र के गांव मिस्सरपुर स्थित आवासीय कॉलोनी में शुक्रवार रात हाथी आने से हड़कंप मच गया। हाथियों को देख कॉलोनीवासी घरों के अंदर कैद हो गए। गनीमत रही कि हाथी किसी ग्रामीण के पीछे नहीं भागा। हाथी जाने के बाद लोग अपने घर मे घुस गए। ग्रामीणों में वनप्रभाग के खिलाफ भारी रोष पनप रहा है। जगजीतपुर और उसके आसपास के गांवों में बनी आवासीय कॉलोनियों में हाथियों के झुंड के आने की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार रात लगभग आठ बजे ही हाथियों का झुंड ग्राम मिस्सरपुर स्थित आवासीय कॉलोनी में आ धमका। कॉलोनी के बाहर घूम रहे ग्रामीणों में हाथी को देख हड़कंप मच गया और लोग इधर–उधर भागकर एक–दूसरे के घरों में घुस गए। गनीमत रही कि हाथी ने किसी ग्रामीण पर हमला नहीं किया। हाथी जाने के बाद लोग अपने–अपने घरों में घुसे।ग्रामीण राजेश सैनी, राकेश सैनी, पंकज चौहान, सुशील, दीपक, सुरजीत सिंह चौहान, सोभित, ललित, सोहन, सुशील, सौरभ, हरजीत ने बताया कॉलोनी में जब हाथियों का झुंड आया तो ग्रामीण घरों के बाहर ही टहल रहे थे। कुछ लोग कामकाज से वापस घर लौट रहे थे। हाथियों के आते ही लोगों में दहशत पैदा हो गई और आननफानन में लोगों ने एक–दूसरे के घरों में घुसकर जान बचाई।

# कांग्रेस के माथे से कभी नहीं मिट सकता आपातकाल का पाप

**लोकसभा में बोले पीएम मोदी**

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर बार–बार संविधान की भावना की हत्या करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपातकाल का पाप देश की सबसे पुरानी पार्टी के माथे से कभी नहीं मिट सकता। उन्होंने कहा कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर गांधी परिवार की हर पीढ़ी ने सत्ता में रहते हुए संविधान से छेड़छाड़ किया है। पीएम मोदी ने लोकसभा में भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज संविधान के 75 साल पूरे हो रहे हैं, लेकिन अगर हम पीछे मुडक़र देखें तो जब संविधान के 25 साल पूरे हो रहे थे, तब आपातकाल लगाया गया था, संवैधानिक अधिकारों को नकार दिया गया था और देश को एक बड़ी जेल में बदल दिया गया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस के माथे से आपातकाल का पाप कभी नहीं मिट सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब इसी सदन में उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस का जश्न मनाने का सुझाव दिया था तो एक वरिष्ठ सदस्य ने उसकी आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि 26 जनवरी तो है ही।

कांग्रेस, और विशेष रूप से गांधी–नेहरू परिवार पर जबरदस्त हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह किसी का व्यक्तिगत अपमान नहीं करना चाहते लेकिन तथ्यों को देश के सामने रखा जाना चाहिए। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले 75 साल में से 55 साल इस परिवार ने देश पर राज किया है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान कई राजनीतिक दलों के नेताओं को जेल भेजा गया था लेकिन अब कांग्रेस से हाथ मिलाना उनकी मजबूरी है। आपातकाल के दौरान लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। हजारों नागरिकों को जेलों में डाल दिया गया, न्यायपालिका को खामोश कर दिया गया और प्रेस की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया। इतना ही नहीं प्रतिबद्ध न्यायपालिका की अवधारणा को उनके द्वारा आक्रमक रूप से प्रचारित किया गया। न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना जिन्होंने इंदिरा गांधी के खिलाफ उनके निर्वाचन के मामले में फैसला सुनाया था, उनके क्रोध का निशाना बने। वरिष्ठता के आधार पर उन्हें सवोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनना चाहिए था, लेकिन जानबूझकर मुख्य न्यायाधीश के पद से वंचित कर दिया गया था। यह संविधान और लोकतंत्र की घोर उपेक्षा थी। कांग्रेस के शासनकाल की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय प्रधानमंत्री नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था कि अगर संविधान हमारे लिए बाधा बनता है, तो हमें उसमें बदलाव लाना चाहिए।

### वीकेंड पर नैनीताल से कैंची तक वाहनों की भीड़

नैनीताल। वीकेंड पर नैनीताल से कैंची धाम तक वाहनों की खासी भीड़ रही। इस दौरान जिले के पर्वतीय पर्यटक स्थल मुक्तेश्वर, रामगढ़ गागर आदि स्थलों पर भी सैलानियों की खासी भीड़ रही।

नैनीताल में मालरोड समेत अन्य स्थानों पर दिनभर वाहन रेंगते हुए नजर आए। वीकेंड पर सुबह से ही नैनीताल में पर्यटकों का आना शुरू हो गई। इस बीच नैनीताल के साथ ही आसपास के पर्यटक स्थल सैलानियों से गुलजार रहे। पर्यटकों ने विभिन्न दार्शनिक स्थलों पर पहुंचकर प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाया। इस दौरान कैंची धाम में वीकेंड के चलते एकाएक भीड़ बढ़ने पर जाम लगने लगा। खैरना पुलिस की ओर से जाम से निजात दिलाने के लिए बड़े वाहनों को खैरना बाजार में ही रोक दिया। वहीं क्करब पुल के पास पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण यातायात बाधित रहा। इस बीच जहां पर्यटकों की भीड़ से विभिन्न स्थानों पर चहलपहल रही तो वहीं आपदा का दंश झेल रहे अल्मोड़ा एनएच पर भी यातायात संचालन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

# दिल्ली में फर्जी अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़, 13 बांग्लादेशी समेत 42 गिरफ्तार

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने 42 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें 13 बांग्लादेशी नागरिक हैं. दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने इस साल कई अंतरराष्ट्रीय फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़ किया और 13 बांग्लादेशी नागरिकों सहित 42 लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में 23 लोग एजेंट के रूप में काम करते पाए गए, जबकि अन्य यात्री के रूप में पकड़ा गया है. पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) उषा रंगनानी ने कहा कि सिंडिकेट, जिसमें अक्सर पड़ोसी देशों के विदेशी नागरिक शामिल होते हैं, भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके भारतीय पासपोर्ट हासिल करते हैं. उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए सभी लोगों में से 13 बांग्लादेश से, चार म्यांमार से, तीन नेपाल से और एक अफगानिस्तान से है. ये सभी अवैध रूप से अलग–अलग सीमाओं से भारत में प्रवेश करते थे और अनधिकृत अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए भारतीय दस्तावेज बनवाते थे.

वहीं गिरफ्तार आरोपियों में नौ पश्चिम बंगाल से, चार दिल्ली से, तीन महाराष्ट्र से और एक–एक उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, ओडिशा और राजस्थान से थे. "यह गिरोह आमतौर पर विदेशी नागरिकों के लिए जन्म प्रमाण पत्र जैसे भारतीय दस्तावेजों की जालसाजी करता था. ये गिरोह जाली दस्तावेज बनाकर अवैध तरीके से भारतीय पासपोर्ट का बनाया करते थे.डीसीपी ने कहा, कि इनका नेटवर्क पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और दिल्ली सहित कई राज्यों में चल रहा था. उदाहरण के लिए, मार्च में, यूएई से लौटने वाले एक बांग्लादेशी नागरिक के पास जाली भारतीय पासपोर्ट पाया गया था. जांच में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए नकली भारतीय दस्तावेज बनाने वाले एक सिंडिकेट का पता चला. उस मामले में चार एजेंटों को गिरफ्तार किया गया और 21 नकली पासपोर्ट बरामद किए गए.

अक्टूबर में, नकली पासपोर्ट के साथ हांगकांग से लौटने वाले दो बांग्लादेशी नागरिकों ने महाराष्ट्र स्थित दस्तावेज़ निर्माण नेटवर्क का पर्दाफाश किया. उस मामले में दो एजेंटों को गिरफ्तार किया गया था. इसी तरह, जुलाई में, कुवैत की यात्रा करने के लिए जाली पासपोर्ट का उपयोग करने वाले एक अन्य बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था. अधिकारी ने कहा कि इस ऑपरेशन के तहत महाराष्ट्र स्थित एक एजेंट की भी गिरफ्तारी हुई थी. पुलिस इन रैकेट्स के किन–किन नेटवर्क से जुड़े हैं इसकी जांच कर रही है.

# बुरांश सिर्फ एक लाउंज नहीं उत्तराखंड की जीवंत संस्कृति है : महाराज

**होटल हयात सेंट्रिक परिसर में पेस्ट्री और चाय–कॉफी लाउंज, बुरांश लोकल इंस्पायर्ड का अनावरण**

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने हयात सेंट्रिक में उत्तराखंड की पाक विरासत को समर्पित पेस्ट्री और चाय–कॉफी लाउंज, बुरांश लोकल इंस्पायर्ड से बने खाद्य एवं पेय पदार्थों का अनावरण किया।

प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने होटल हयात सेंट्रिक परिसर में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में पेस्ट्री और चाय–कॉफी लाउंज, बुरांश लोकल इंस्पायर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हयात सेंट्रिक ने उत्तराखंड की पाक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एक बड़ी पहल की है।

पर्यटन मंत्री श्री महाराज ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अपनी तरह का यह पहला लाउंज, बुरांश उत्तराखंड की समृद्ध पाक विरासत को और अधिक समृद्ध करेगा। हयात सेंट्रिक देहरादून ने स्वास्थ्य और पौष्टिक खाद्य पदार्थ को बढ़ावा देने की यह एक अभिनव पहल की है। बुरांश के मेनू में बुरांश पेस्ट्री, जौनसार पेस्ट्री, सिकडे कुकीज और बुरांश कहवा जैसे व्यंजनों को शामिल करना बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है।

उन्होंने उत्तराखंड की उपज और उनके स्वास्थ्य लाभों को उजागर करने और स्थानीय भोजन के अनुभवों के लिए एक मंच बनाने के हयात के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हिमालय के फूल बुरांश के नाम पर और स्थानीय रूप से उगाए गई सामग्री को अपने कलात्मक पेस्ट्री और विशेष पेय पदार्थों में शामिल करके बड़ा काम किया है।

श्री महाराज ने कहा कि बुरांश सिर्फ एक लाउंज नहीं है, यह उत्तराखंड की जीवंत संस्कृति और परंपराओं का उत्सव भी है। इस प्रयास के जरिए, हम मेहमानों को एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करने की उम्मीद करते हैं जो उन्हें क्षेत्र की समृद्ध पाक कला और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है।

इस अवसर पर हयात सेंट्रिक देहरादून के महाप्रबंधक अजीत सिंह गांधी, विजय भट्ट सहित होटल के अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

### सड़क दुर्घटना में दो की मौत

हरिद्वार। कनखल और श्यामपुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल हुए दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों घटनाओं में मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। लोकेश चंद्र पोखरिया निवासी गोसाईं गली भीमगोड़ा खड़खड़ी ने शिकायत देकर बताया कि उसके जीजा देवकी नंदन निवासी गाजीवाली श्यामपुर कांगड़ी से 27 नवंबर की सुबह भुवन चंद्र जोशी के साथ अपने स्कूटर से अपने कार्य स्थल हरकी पैड़ी के लिए निकले थे। चंडी देवी मंदिर के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। जिला अस्पताल ले जाने पर उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया था। उपचार के 12 दिन बाद आठ दिसंबर को देवकी नंदन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, प्रभजीत सिंह निवासी मारकपुर शेरपुर खादर जिला मुजफ्फरनगर ने शिकायत देकर बताया कि चार दिसंबर को उसका बड़ा भाई सिमरजीत सिंह उम्र 37 वर्ष निवासी बिहाइंड एस्ट्रोन डेयरी निकट सरकारी ट्यूबवेल कर्नल एन्क्लेव, ढंढेरा अपनी मोटरसाइकिल पर एम्स ऋषिकेश से घर वापस आ रहा था।

# भाभी के साथ देवर ने किया दुष्कर्म

काशीपुर। घर में अकेला पाकर युवक ने अपनी भाभी के साथ दुष्कर्म किया। कोर्ट के आदेश पर देवर के खिलाफ चाकू की नोक पर दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी देने, अश्लील वीडियो बनाने का केस दर्ज किया गया है। शनिवार को जसपुर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने कहा कि उसके पति साउदी अरब में नौकरी करते हैं। आरोप है कि 12 जून को वह घर में अकेली थी। दोपहर 12 बजे के करीब उसका देवर उसके कमरे में घुस आया और छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर देवर ने उसकी गर्दन पर चाकू रखकर उसके साथ दुष्कर्म किया तथा वीडियो भी बनाई। किसी को बताने पर वीडियो वायलर करने की धमकी दी। इस बीच महिला के पिता वहां आए। उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो देवर चाकू लहराता हुआ जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। कोतवाल जगदीश ढकरियाल ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

**जेठ पर दुष्कर्म के प्रयास का लगाया आरोप**

जसपुर। परिजनों की गैर मौजूदगी में जेठ ने अपने भाई की पत्नी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एक मोहल्ला निवासी महिला ने कहा कि बीती आठ अगस्त की रात को वह घर पर अकेली थी। उसके माता–पिता उसकी बहन के घर गए थे। तभी उसका जेठ मोनिश उसके घर आया। उसने परिजनों को घर में न देख अपने भाई की पत्नी के साथ बूरी नीयत से छेड़छाड़ शुरू कर दी।

# किसानों के दिल्ली कूच के दौरान फिर चले आंसू गैस के गोले, कई किसान घायल

नईदिल्ली,पंजाब–हरियाणा सीमा पर पिछले 9 महीने से बैठे किसान आज तीसरी बार फिर दिल्ली कूच करने जा रहे हैं।इस दौरान हरियाणा के अंबाला में मोबाइल इंटरनेट पर रोक लगाई गई है। शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे हैं। अब तक 8 किसानों के घायल होने की खबर है।बता दें इससे पहले किसान 2 बार दिल्ली कूच का प्रयास कर चुके हैं।

किसान सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। स्वामीनाथन आयोग के हिसाब से फसलों की कीमत तय हो।कर्ज माफी हो, किसानों को पेंशन मिले और खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।लखीमपुर खीरी मामले के दोषियों को सजा मिले।पिछले किसान आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा और सराकरी नौकरी मिले और किसानों के खिलाफ मुकदमे वापस हों।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, संसद में संविधान, अडाणी, बेरोजगारी हर मुद्दे पर बात हो रही हैं, लेकिन किसानों पर बात नहीं हो रही।हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा, सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है और कुछ समय मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि किसानों को अपना विरोध प्रदर्शन कुछ समय के लिए टाल देना चाहिए। मेरी राय है कि किसानों को कोर्ट की बात सुननी चाहिए। खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक है।डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें कभी भी दिल का दौरा पड़ सकता है या किडनी फेल हो सकती है।

### दिल्ली के कुछ स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

नईदिल्ली, दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला नहीं रुक रहा है।शुक्रवार को 30 स्कूलों को धमकी मिलने के बाद शनिवार को आरके पुरम के दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) सहित कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है।सूचना के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर तलाशी शुरू की, लेकिन अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मौके पर पुलिस बल तैनात है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, स्कूलों को ईमेल के जरिए ये धमकी मिली है। धमकी में स्कूलों को पूरी तरह से खाक करने की बात कही गई है।स्कूल प्रबंधन ने दिल्ली फायर डिपार्टमेंट को सुबह 6 बजे इसकी सूचना दी। थी इसके बाद पुलिस, दमकल, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की टीमें स्कूल परिसर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी

# पैदल मार्ग से गांव जा रहे ग्रामीण को हाथी ने उतारा मौत के घाट

**लैंसडौन वन प्रभाग की दुगड्डा रेंज की घटना, बनी है दहशत**

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र की दुगड्डा रेंज में पैदल मार्ग से अपने गांव जा रहे एक व्यक्ति को हाथी ने मार दिया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को राजकीय बेस चिकित्सालय की मोर्चरी में पहुंचाया। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

घटना शुक्रवार देर शाम की बताई जा रही है। घटना की जानकारी शनिवार सुबह वन विभाग को मिली। ग्रामीणों ने बताया कि जब शुक्रवार रात तक जब जमरगड्डी निवासी रोशन सिंह 50 वर्ष गांव नहीं पहुंचा तो शनिवार सुबह उसकी तलाश शुरू की गई। पैदल मार्ग पर खोह नदी के किनारे उनका शव मिला है। बताया कि शुक्रवार शाम रोशन सिंह एक अन्य व्यक्ति के साथ दुगड्डा से करीब 5 किमी. नीचे एनएच से जंगल के रास्ते अपने गांव बेणी जमरगड्डी जा रहा था तभी हाथी ने उस पर हमला कर दिया। रोशन सिंह पूर्व में दुगड्डा रेंज में वन श्रमिक के रूप में काम कर चुका है। वहीं इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। इस संबध में डीएफओ आकश गंगवार ने बताया कि शनिवार सुबह उन्हें सूचना मिली कि खोह बीट के निकट एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। बताया कि पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

# वन नेशन, वन इलेक्शन देश की जरूरतः चिराग पासवान

पटना,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने वन नेशन, वन इलेक्शन को देश की जरूरत बताते हुए कहा कि इसकी चाहत हमलोगों की लंबे समय से थी। उन्होंने विपक्ष के विरोध करने पर कहा कि विपक्ष को हर एक फैसले से ऐतराज है। शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे नेता और मेरे पिता रामविलास पासवान की भी यही सोच रही थी कि देश में एक साथ चुनाव हो।

उन्होंने कहा, अभी हम लोगों ने देखा कुछ महीने पहले ही लोकसभा के चुनाव संपन्न हुए, उसके ठीक बाद हरियाणा, जम्मू कश्मीर के चुनाव में लोग व्यस्त हुए। उसके बाद झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव हुए। इसके बाद दिल्ली और उसके बाद बिहार और फिर असम का चुनाव है। हर दूसरे और तीसरे महीने देश के किसी न किसी राज्य में चुनाव होते हैं। यह न सिर्फ आर्थिक बोझ देश के ऊपर डालने का काम करते हैं, बल्कि जिस तरीके से मशीनरी के डिप्लॉयमेंट को लेकर एक व्यवस्था तैयार करने की जरूरत पड़ती है, उसमें भी समय बहुत ज्यादा बर्बाद होता है। इस स्थिति में जब आचार संहिता लगती है तो विकास की गति कहीं ना कहीं रूकती है। इस कारण देश में एक ही बार चुनाव हों और पांच साल तक व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे।

उन्होंने कहा, विपक्ष को हर एक उस फैसले पर ऐतराज है, जो पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा लिया जाता है। मैं चाहता हूं कि विपक्ष इसकी मेरिट पर चर्चा करे, बताएं क्या एतराज है? क्यों यह सही नहीं है? एक तरफ जो उन लोगों की बातें हैं, जो छोटे दल हैं, एक साथ चुनाव में उनको दिक्कत होगी। आज की तारीख में देश की जनता इतनी समझदार है कि दो राज्यों में चुनाव के संघीय ढांचे को समझती है। लोकसभा के साथ जिन राज्यों में चुनाव हुए उसके परिणाम अलग हुए हैं। आंध्र प्रदेश इसका उदाहरण है। जहां लोकसभा के परिणाम कुछ थे और विधानसभा के परिणाम कुछ और। यह दर्शाता है कि देश की जनता इस बात को अच्छे से जानती है कि भारत के संघीय ढांचे में किस तरीके से मतदान करना है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके लिए संभव हो तो हमारी सरकार एक कमेटी का गठन करेगी।

### दिल्ली डबल मर्डर केस का आरोपी सोनू मटका एनकाउंटर में ढेर

नई दिल्ली, शनिवार सुबह दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में बदमाश सोनू मटका घायल हो गया. इसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई. मटका ने फर्श बाजार में चाचा भतीजे का डबल मर्डर किया था. घटना के बाद से ही पुलिस की टीमें सोनू मटका की तलाश में जुटी हुई थी. मिली जानकारी के मुताबिक बागपत मेरठ मार्ग पर ये मुठभेड़ हुई है. शनिवार तडक़े स्पेशल सेल की टीम को सोनू मटका के मेरठ के टीपी नगर थाना क्षेत्र इलाके में होने की सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही स्पेशल सेल की टीम ने घेराबंदी की. आरोपी को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उसने पुलिस पर गोली चला दी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से सोनू मटका घायल हो गया. उसे अस्पताल ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. सोनू मटका कुख्यात हासिम बाबा गैंग का शूटर था. उसके खिलाफ यूपी और दिल्ली में लूट और हत्या के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं.

# सीरिया से लौटे भारतीयों ने बताया हाल

**बोले– रोज बम–मिसाइल की आवाज सुनते थे**

नईदिल्ली, सीरिया में तख्तापलट होने के बाद युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। इस बीच भारत ने सीरिया से अपने 75 नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। इनमें से 4 आज दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। देश लौटने के बाद इन नागरिकों ने युद्धग्रस्त सीरिया के हालात बयां किए हैं।नागरिकों ने बताया कि वहां हर दिन रॉकेट और गोलियों का आवाज सुनाई देती थी। सूत्रों से एक भारतीय ने कहा, मैं 15–20 दिन पहले वहां गया था। वहां की स्थिति बहुत खराब थी। हमने भारतीय दूतावास से संपर्क किया। हमें पहले दमिश्क बुलाया गया, फिर 2–3 दिन रुकने के बाद बेरूत ले जाया गया। हर दिन रॉकेट और गोलियों की आवाजें सुनाई देती थीं। भारतीय दूतावास ने हमारी काफी मदद की और सभी सुविधाएं मुहैया कराईं। हमें खुशी है कि हम अपने देश पहुंच गए हैं।

एक अन्य भारतीय ने कहा, एक दिन मैं प्लांट में काम कर रहा था तभी 2–3 रॉकेट दिखे। हमने दूतावास को बताया। उन्होंने कहा कि दमिश्क आ जाओ। वहां से हमें बेरूत ले जाया गया। 2 दिन बाद हमारी टिकट बेरूत से दोहा के लिए बुक हो गई। फिर दोहा से कतर और नई दिल्ली के लिए बुक हो गई। वहां की स्थिति बहुत गंभीर है।

# भ्रष्टाचार से पीड़ित देशवासी

एक जमाना था, जब राजनीति को सही अर्थों में जनसेवा का सशक्त माध्यम माना जाता था, किंत अब यही माध्यम भ्रष्टाचार का सशक्त माध्यम बन गया है और आज के सत्ताधीश इस सामाजिक कोढ को मिटानें के नही, बल्कि इसके विस्तार के माध्यम बने हुए है, सवाल अब सिर्फ भ्रष्टाचार को सिर्फ आगे बढ़ानें का नही बल्कि उसे कानूनी रूप से रोकने या खत्म करने की शपथ वाली एजेंसियां भी इस कोढ के विस्तार का माध्यम बना दी गई है, आज की राजननीति नें सीबीआई, सीआईडी जैसी सरकारी जोंच ऐजेंसियों को अपने तुच्छ इरादों और मकसदों का माध्यम बना रखा है और इन तथाकथित स्वतंत्र जांच एजेंसियों पर कब्जा कर इन्हें इनके कार्य व दायित्व को ईमानदारी से निभानें में अवरोध पैदा करना शुरू कर दिया है

इन्हें स्वतंत्र रूप से अपने दायित्व निर्वहन की अनुमति ही नही दी जा रही है, इसका ताजा उदाहरण हाल ही में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीबीआई) द्वारा जारी रिपोर्ट है, जिसमें खुलासा किया गया है कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) गंभीर भग्रष्टाचार सें सम्बन्धित 212 मामलों की जांच करके दोषियों को दण्डित करना चाहती है, लेकिन चूंकि इस जांच के लिए केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों की मंजूरी कानूनी तौर पर जरूरी है और केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों में विराजित आरोपित अधिकारी व नेता जांच करवाना नही चाहतें, इसलिए सीबीआई इनकी जॉच नही कर पा रही है, सीबीआई के पास ऐसी जॉच की अनुमति के प्रकरण पिछले वर्षों से लम्बित है और सम्बन्धित भ्रष्ट अधिकारी व नेता यह जॉच होनें नही देना चाहते?

अब यहां सवाल यह है कि जिनकी जॉच होना है, वे ही भला जॉच की अनुमति कैसे देगें? यह अनुमति का प्रावधान रखा ही क्यों गया? जब सीबीआई, सीआईडी कों स्वतंत्र जॉच एजेंसी का दर्जा दिया ग्रया है तो फिर उनकी स्वतंत्रता' क्यों छीन ली गई? आज इसी बात को लेकर केंद्रीय सतर्कता जॉच आयोग (सीबीआई) कॉफी परेशान है, फिर सवाल यह भी है कि सीबीसी (सतर्कता आयोग) जब कानूनी रूप से स्वतंत्र है तो सलाहो को केन्द्र व राज्य सरकारें मानती क्यों नही है? सीबीआई ने दिसम्बर 2023 तक की जारी अपनी रिपोर्ट में उन मामलों का भी जिक्रकिया है, जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दर–किनार कर दिया गया इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंन्द्र सरकार के अधीन संस्थाऐं (पीएसयू बैंक आदि) शामिल है, सीबीसी केंन्द्रीय मंत्रालायों और पीएसयू बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीबीओ) के जरिए भ्रष्टाचार पर अनियमितताओं पर नजर रखता है। इस रिपोर्ट में मुख्य राज्य सरकारों व केंद्र शासित राज्यों में लम्बित मामलों की जानकारी भी दी गई है, जिनमें महाराष्ट्र में तीन, उत्तरप्रदेश में दस, पश्चिम बंगाल में चार, जम्मू–कश्मीर में चार, पंजाब में चार, मध्यप्रदेश में एक व अन्य पन्द्रह मामलें है, इन 41मामलों में 149 अधिकारी शामिल बताए गए है। इनके अलावा 81 अन्य मामलें तीन माह से ज्यादा पुराने है। लम्बित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले लम्बित है, इनकी लम्बे समय से जॉच रिपोर्ट आ जाने के बाद भी अभियोजन की मंजूरी के अभाव मे ये मामले लम्बित है और सरकार के विभिन्न पदों पर अभी भी विराजित ये अधिकारी अपनी भ्रष्टाचार की भूख को शांत नही कर पा रहे है और उसमे दिन दूनी रात चौगनी अभिवृद्धि हो रही है। अब सीबीआई अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ करना चाहती है, किंतु वह करें कैसे? अभियोजन की मॅजूरी का अवरोध सामने जो है? अब सवाल यही मूल है कि भ्रष्टाचार मिटे कैसे, उसे मिटाने की किसी को चाहत तो हो? इसका एक ही सरल उपाय है सीबीआई, सीआईडी को जॉच की अनुमति के बन्धन से मुक्त कर उसे स्वतंत्र छोड़ दिया जाए, जो आज कें इस युग मे सम्भव नही है। .और इस मामलें में स्पष्ट व न्यायपूर्ण सोच के अभाव में यह रोग अब महारोग बनता जा रहा है, जो संक्रमण की तरह हर सरकार को खोखला करता जा रहा है और इस बारे में कहीं किसी भी दिशा या स्तर पर गंभीरता नही है आखिर यही हाल रहा तो इस देश का क्या होगा? इस सवाल का अब कोई महत्व नही है, क्योंकि इसका उत्तर किसी के पास भी नही है, चिंतित है तो केवल और केवल भ्रष्टाचार से पीड़ित देशवासी।

# पहाड़ों का रहवासी समाज अपनी उत्तराखण्डी सभ्यता और संस्कृति से हो रहा विमुख

मनवर लाल भारती
प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज पोखरी
अजमीर, जनपद पौड़ी गढ़वाल

अपनी उत्तराखंड की पुण्य धरती पर प्रसिद्ध छायावादी कवि चंद्र कुमार बर्त्वाल जी की ये काव्य पंक्तियां उनके अपने हृदय की विरह वेदना को यहां की बलखाती नदियों की धारा में इस प्रकार रहस्यवादी भाव प्रकट कर रही है :–

**मेरी बाहें सरिता उसी आकुल हो कर ।**
**दिशा दिशा में ढूंढ रही है प्रिय सागर को ।।**

आकुलता और व्याकुलता ये जिन्दा आत्मा में अपनों से मिलने की छटपटाहट है, यह छटपटाहट अपनी जन्मभूमि से लेकर अपने प्रियजनों तक सीमित नहीं रह पाती है, बल्कि मातृभूमि के कण-कण में हमारे प्राणों का समर्पण हो और अपनों के प्रति हमारा सच्चा प्यार और जन्म भूमि के प्रति हमारा गहरा लगाव होता है, परंतु आज वर्तमान मानव समाज, खासकर उत्तराखंड में हमारा पहाड़ों का रहवासी समाज अपने उत्तराखण्डी सभ्यता और संस्कृति से विमुख होकर एक ऐसी दुनिया में खोता जा रहा है, जहां इसमें खानपान, रहन-सहन, बोली-भाषा और पर्वतीय क्षेत्रों का जीवन क्या है? यह सब कुछ जानकारियां आज की नई पीढ़ी में कहीं भी देखने को नहीं मिल पाना बहुत ही कष्टप्रद है। समय का प्रवाह किसी का इंतजार नहीं करता है और मनुष्य में बुद्धि की स्थिरता और समानता भी सदैव एक जैसी नहीं रहती है। प्रकृति और समय दोनों मनुष्य की अपनी मुट्ठी में हो, ऐसा सोचना हमारी नादानी होगी। प्रकृति का उपहार हमारे उत्तराखंड के आंचलिक परिवेश में जिस प्रकार से अन इच्छित बदलाव देखे जा रहे हैं वह निश्चित रूप से यहां की नैसर्गिक छटा के लिए और यहां की पारिस्थितिकीय तंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। हमारा इस धरा के प्रति जो असीम लगाव और समर्पण था, वह अब किसी में भी न दिखाई देना एक चौंकाने वाला दृश्य समाज में दिखाई दे रहा है।

शीतल नदी घाटियों का यह प्रदेश जहां हर मनुष्य का सरल स्वभाव बिना कुछ कहे सब कुछ कह देता था कि यहां के लोगों में इतना शांत और निष्ठावान का रुप इनमें ईश्वर का ही वरदान है, जिनके ठिगने और गठीले शरीर में शक्ति का जो पुंज है वह इस प्रदेश की आबोहवा और यहां की मिट्टी में पैदा होने वाले अन्न का संजीवनी रूप है, परंतु अचानक खेत खलियानों का बंजर दृश्य और गांव के खण्डहर अवशेषों के रूप में तब्दील होने की दशा हमें यह संदेश दे रहा है कि जिस सभ्यता और और संस्कृति के निर्माण में उत्तराखंड के जन मानस ने अनेकों प्रयोग और यहां की प्राकृतिक संरचना के अनुसार जो जलवायु पाई है उसके अनुसार ढलने के अपने अनुभव पीढ़ी दर पीढ़ी जो आगे बढ़ाई गई थी वह अब नहीं रही। हम बस शहरों की दिखावटी और बनावटी रूप में अपनी इन सुंदर वादियों में प्रवासी भाई बहन बनकर उत्तराखण्डी तीज त्यौहारों की औपचारिकता तक सीमित हो गए हैं। इस उपभोक्तावादी सभ्यता और संस्कृति ने पूरे विश्व में अपना जो रुप दिखाया है, उसमें मनुष्य की जीने की जिजीविषा का भटक जाना पूरी प्राणी जगत के लिए एक खतरा सा है, यह चेतावनी हमारे वैज्ञानिक और प्रबुद्ध दार्शनिक वर्ग दे चुके है, परंतु मनुष्य की हठधर्मिता के आगे आज तक किसी की नहीं चली, यहां बड़े बड़ों ने हमेशा घुटने टेक दिए थे और यह क्रम इस धरती पर विज्ञान की उन्नति के दौर से चल रहा है। अब वर्तमान मानव सभ्यता इतना हठी और स्वार्थी हो चुका है कि उन्हें लौटाना अब किसी के भी बस में नहीं रहा। हम आज एक ऐसी दुनिया में कदम रख चुके हैं, जहां मानवीय नाते और रिश्तों की दुनिया उपभोक्तावादी संस्कृति पर आकर स्वार्थ लालच और औपचारिकता की आदतों की भेट चढ़ चुकी है। आप इस दौर में किसी को समझाने की कोशिश में खुद एक उपहास का पात्र बन कर रह जाओगी। ऐसे दौर में मानव सभ्यता और संस्कृति में मानवीयता से जीने की शिक्षा को लौट आने की अति आवश्यकता है। हमने संभवत है अपने उम्र के 50 वर्ष पूर्व में अपने पूर्ण होशो हवाश की स्थिति में उत्तराखंड की पर्यावरण की दृष्टि से और यहां की अच्छी और बुरी परंपराओं को जितनी नजदीकी से देखा और भोगा है संभवत उसका उल्लेख करने पर आज की नई पीढ़ी को विश्वास ही नहीं होगा कि पर्यावरण की दृष्टि से उस समय सर्दियों में एक माह से डेढ़ माह तक होने वाली वर्षा के पश्चात् जो बर्फबारी होती थी उसका नजारा सुंदरता की दृष्टि से अति आकर्षक, पर्यावरण की दृष्टि से जल संचय, आर्द्रता की सृष्टि से धरती पर नमी का रहना और गरीब जनों एवं जीव-जंतु के लिए शरीर की साधना का अनोखा रूप था। इस मौसम में यहां का सागरों (ठंडे स्थान) से भाबरों (गर्म स्थान) तक हर नदी घाटियों का प्रवासी जन जीवन अन्न-धन और पशु धन पर आधारित एक लंबा जीवन जीने का रहा। आज यह एक काल्पनिक सपना जैसा लगता है। भले ही उस समय का जीवन शिक्षा का अभाव स्वास्थ्य की असुविधाएं और आवागमन के भीषण अभावों का समय था, परंतु मानव समुदाय के पारस्परिक संबंध प्रगाढ़ थे। इन्हीं प्रगाढ़ संबंधों से यहां के जन मानस ने आपसी विश्वास एक दूसरे के सहयोग और मनोरंजन के लिए अनेकों सांस्कृतिक परंपरा को जन्म की दिया था। आज इस विषय पर यदि शोध किया जाए तो विज्ञान की अनेकों विधाओं का ज्ञान और प्रयोग देखने को मिलेगा। उत्तराखंड की लोकाचार परम्पराओं पर अभी तक जो भी शोध हुआ है वह कहीं न कहीं उस दिशा की ओर जाने से भटक गया है, जहां उस शोधपरक ज्ञान से यहां के जन मानस को लाभ मिलना चाहिए था वह नहीं मिल पाया। हमें अपने बाल्यकाल में देखे गए उन धार्मिक कर्मकांडो की घटनाएं बहुत अच्छी तरह से याद है जिन घटनाओं ने हमारे मानस पटल पर गहरी छाप छोड़ी थी, जिसके घातक परिणाम भी हमें झेलने पड़े, फिर भी यहां का जन मानस एक असीम विश्वास के साथ उन धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा रहा। उस समय हम उन परंपराएं को समझ नहीं पाए, क्योंकि हमारे अपने मानव समुदाय में समझने और समझाने की क्षमता रखने वाले लोग नहीं थे। इस कारण हमारा रुढ़िवादी विचारधारा में उन परंपराओं को अंधविश्वासी तौर तरीके से ढोते रहना बस एक मजबूरी थी। जैसा जिसने कहा एक विश्वास बनता गया कभी भी मन में प्रश्न पैदा नहीं हुआ कि सर्दियों में मेरी मां हमारे पेट पर सोते समय हल्की गर्म राख क्यों मलती थी। अब याद आती है कि एक तो उस समय आज की तरह सोने के लिए बिस्तर नहीं हुआ करते थे, दूसरा सर्दियां हड्डी कंपा देने वाली हुआ करती थी। उस रासायनिक राख मलने से क्या लाभ होता था, हमें कुछ भी पता नहीं था। हमारे गांवों में ऐसे कई घरेलू इलाज थे, जो आज भी हमें अच्छी तरह से याद हैं, परंतु जब बीमारी से कुछ ज्यादा ही परेशानियां होती थी तो देवी देवताओं को नचाए जाने का अनुष्ठान या विधान जागर प्रथा के रूप में आयोजन किए जाते थे। इनसे कितना लाभ मिलता था हमें कुछ पता नहीं होता था लेकिन हमारे बुजुर्गों का विश्वास जरूर मजबूर होता था। हमारा उत्तराखंडी रहवासी नदी घाटियों में आज भी उसी आस्था और विश्वास के साथ अपनी इस पवित्र धरा के प्रति समर्पित तो है परंतु अभाव और गांवों में पलायन की मार से पसरती जा रही वीरानी से त्रस्त द्वन्द्वात्मकता की स्थिति में जी रहा है कि शहर जाऊं या गांव में रहूं। जब कुछ भाई बंधु या बुजुर्ग शहर जाते हैं तो मुश्किल ही एक सप्ताह में उगता कर अपने गांव लौटने का मन बना लेते हैं, परंतु जब गांव आ जाते हैं तो गांव की सूनी चौक डिंड्याली (घर आंगन) पुरानी यादें दोहरा-दोहरा कर मन और हृदय पर आघात करती हैं फिर यह कसक यहां की लोगों को एक ऐसी दिशा की ओर धकेल देती है जो किसी भी रुप में अच्छी नहीं है। अर्थात हम अपनी उस आत्मीयता से भटक कर रह जाते हैं जो हमारी एक सरल निष्ठावान हृदय के रूप में पहचान हुआ करती थी।

विगत कई वर्षों से उत्तराखंडी समाज में कहीं प्रकार के बदलाव देखने को मिले, परंतु इन बदलावों में उत्तराखंड के गांव के गांव वीरानी और उदासी की भेंट चढ़ते गये। इनकी वीरानी और उदासी तोड़ने के लिए गांव तक सरकारों द्वारा सड़कों का जाल बिछाया तो गया है लेकिन यह सड़कें भी अपने रहवासियों के इंतजार में खामोश स्थिति में रहकर उजड़ बिजड़ जाती हैं। कभी कभार इनकी खामोशी को प्रवासी भाई बंधु शादी ब्याह या तीज-त्योहारों पर अपनी शहरी आवरण में आधुनिक बोली भाषा से तोड़ देते हैं, फिर इनके जाने के बाद वही उदासी छा जाती है।

हम न जाने किस दुनिया की तलाश में एक दूसरे से विच्छिन्न होकर शहरों में बस कर बंद कमरों में कौन सा सपना देखना चाह रहे हैं? यह परिदृश्य मेरे लिए तो चौंकाने वाला हमेशा से रहा है परंतु उत्तराखंड का पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में जाने पर तो मानो पलायन के भूचाल ने उस उत्तराखंड की नक्शे को बदल कर रख दिया। जब सन् 1992-93 के उत्तराखंड का आंदोलन पृथक राज्य की अवधारणा के रूप में हमारी भावनाओं और विचारों का आकार स्वरूप दिया गया था। आज हमारे पास वह उत्तराखंड किसी भी दशा में नहीं दिखाई देता है। आंदोलन के समय हमने कहा था कि कोदा झंगोरा खाएंगे, उत्तराखंड बनाएंगे। क्या हुआ आज न कोदा है न झंगोरा है बस अब यहां अंधेरा ही अंधेरा रह गया है। हमारी अपनी मातृभूमि के प्रति आकुलता और व्याकुलता मात्र से कुछ भी होने वाला नहीं है। हमारी नई पीढ़ी शहरों के रेडीमेड फास्ट फूड पर निर्भर होकर रह गई है। उनका पहनावा रेडीमेड कपड़ों का विज्ञापन घेर चुका है। उन्हें कोदा, झंगोरा, धान, कौणी, गहथ, तोर, काले गोरे भट्ट, सौन्टा आदि पहाड़ी फसलों या खाद्यान्नों से कोई लेना देना नहीं है, उन्हें तो बस आधुनिक उपभोक्ता वादी संस्कृति ने जो दिया है वह उसी के हो चुके हैं। आप इस पीढ़ी को न समझा सकते हैं और न ही हम विश्वास रखें कि ये उत्तराखंडी सभ्यता और संस्कृति को समझ पाएंगे। हम नई पीढ़ी में जो कुछ भी बदलाव देख रहे हैं उसमें इनका अपनों के प्रति न लगाव न समर्पण और न ही रिश्तों के प्रति संवेदनशीलता रह गई है। ऐसा लगता है मानो सब कुछ मर चुका हो। उत्तराखंड का आंचलिक स्वरुप नदी घाटियों और मध्य हिमालय में बसे गांवों का है। इस प्रदेश के पंच केदार और पांच बद्री तीर्थकरों के लिए धार्मिक आस्था से अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य साहित्यकारों के लिए अद्भुत साहित्य सृजन में ज्ञान दायक रहा, दार्शनिक जनों के लिए ईश्वरीय सत्ता के उत्स तक पहुंचने की जिज्ञासा का पवित्र स्थल, धार्मिक आस्थावानों के लिए मोक्ष की पुण्य धरा रही है। यह सब कुछ इस धरा की प्राकृतिक बनावट ने ईश्वरीय रूप में यहां के जन मानस को उनके शारीरिक रूप सौंदर्य विश्वसनीय आचरण और परिश्रम के प्रति निष्ठा क्या होती है पुण्य उपहार स्वरूप वरदान दिया है। हमें अपने उत्तराखंड की चौक डिंड्याली, फसलों से भरे खेत खलियान, पशुधन से भरे गोशाला व गुठ्यार और आंगन के आस पास पक्षियों का मधुर कोलाहल बहुत अच्छी तरह से याद है। आज यह सब कुछ एक सपना जैसा है। ए६९सा न जाने ने क्या हुआ कि हम सभी उत्तराखंडी रहवासी पलायन की जादुई तिलिस्म में फंस गए। यह क्यों हुआ और कैसे हुआ उत्तर तो सरल और सीधा है पर हमारी स्वेच्छा और भोग विलासित मृगतृष्णा ने हमें उन्मादी बनाकर अपने घर आंगन को छोड़ने पर शायद विवश कर दिया। अब स्थिति यह है कि हम और हमारी नई पीढ़ी ग्रामीण जीवन जीने की शैली के काबिल नहीं रहे।

## रोजगार के लिए चहल-पहल और उत्पादन के लिए विजन जरूरी

उत्तराखंड के अस्तित्व की रक्षा में गांव के पुनर्जीवित करने की ठोस योजना में शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार प्रमुख विषयों पर ठोस और कठोर नीति लागू करने की नितांत आवश्यकता है और यह सरकारों द्वारा लागू न करने की ढुलमुल नीति विगत 25 वर्षों में खूब देखी गई है। सबसे ज्यादा सत्यानाश हमारी शिक्षा के क्षेत्र में हुआ, जबकि अच्छी शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा प्रयोग और प्रशिक्षण इस शिक्षा के क्षेत्र में हुए और आगे भी गतिमान है। इस क्षेत्र में हमारे प्रयोग नासा और इसरो की प्रयोगशालाओं को जैसे पीछे छोड़ गए हों। दूसरा स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारा उत्तराखंड का पर्वतीय अंचल हमेशा से पीछा रहा। आज रासायनिक खाद से उत्पादित खाद्यान्नों के सेवन से ऐसे रोगों ने हमें घेरा लिया है कि जिसका उपचार गांव में संभव नहीं है सबको शहरों की ओर भागना पड़ता है। रही अब रोजगार की बात तो वीरान और सुनसान गांवों में क्या रोजगार हो सकता है? रोजगार के लिए चहल-पहल जरुरी है और उत्पादन के लिए विजन जरुरी है परंतु हमारे पास न विजन है और न ही रोजगार के प्रति आकुलता व व्याकुलता। अगर ऐसा होता तो हमारे पालतू जानवर मानव संसर्ग के लिए आवारा बाजारों में न भटकते हुए दिखाई देते। बस सब कुछ एक निराशाजनक स्थिति में गांव के गांव छोड़कर एक निगोड़ी दुनिया में बसते चले गए और शहरों की भीड़ में खो कर रह गये।

# भाजपा की निर्णायक लड़ाई का निष्कर्ष

अजीत द्विवेदी

संसद के शीतकालीन सत्र में हर दिन राजनीति का नया रंग देखने को मिल रहा है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने किसी हाल में अडानी का मुद्दा नहीं छोडने का फैसला किया है तो दूसरी ओर सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा भी निर्णायक लड़ाई की तैयारी में है। भाजपा की निर्णायक लड़ाई का निष्कर्ष यह है कि लोकसभा में यानी जनता के सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 'गद्दार' हैं, सबसे बड़े विपक्षी पार्टी कांग्रेस की संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी भी देश विरोधी हैं और अमेरिका दुश्मन देश है। भाजपा ने संसद की बहस और चर्चाओं के साथ साथ प्रेस कांफ्रेंस करके भी यह नैरेटिव स्थापित किया है। जब भाजपा के सांसदों ने आरोप लगाए तब भी ये आरोप गंभीर थे लेकिन अब तो केंद्र सरकार के मंत्रियों ने भी इन आरोपों को दोहराया है। तभी यह सवाल गंभीर हो गया है कि क्या सचमुच नेता प्रतिपक्ष 'गद्दार' या देश विरोधी हैं और क्या सचमुच अमेरिका भारत का दुश्मन है?पहले अमेरिका पर लगाए गए आरोपों की चर्चा करें तो उसमें कई बातों का खुलासा हो गया है। भाजपा के सांसदों ने जब कहा कि ओसीसीआरपी यानी ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल है और इस संस्था को अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस और अमेरिकी विदेश विभाग की फंडिंग मिलती है तब अमेरिका ने इस पर अपना पक्ष रखा था। अमेरिका ने कहा था कि वह मीडिया की स्वतंत्रता का चैंपियन रहा है और इस तरह के किसी भी संगठन पर दबाव नहीं बनाता है। इतना ही नहीं अमेरिका ने इसे निराशाजनक बताया था कि भारत में सत्तारूढ़ दल इस किस्म के आरोप लगा रहा है। अब सवाल है कि भाजपा ने ये आरोप किस आधार पर लगाए थे? भाजपा का आरोप फ्रांस के मीडिया समूह 'मीडियापार्ट' की एक रिपोर्ट पर आधारित था, जिसमें कथित तौर पर यह कहा गया था कि ओसीसीआरपी को अमेरिकी विदेश विभाग की फंडिंग है। अब 'मीडियापार्ट' ने जवाब दिया है और कहा है कि भारत में सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा 'फेक न्यूज' फैला रही है। उसका कहना है कि उसकी रिपोर्ट को गलत तरीके से उद्धृत किया जा रहा है, अपने मनमाफिक राजनीतिक नैरेटिव सेट करने के लिए। अमेरिका और फ्रांस के मीडिया समूह दोनों के जवाब के बाद भी भाजपा ने आरोप लगाना बंद नहीं किया है। भाजपा के सांसद अब भी दावा कर रहे हैं कि अमेरिका की फंडिंग से चल रहा एक संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। अब सवाल है कि उस संस्था यानी ओसीसीआरपी की भारत विरोधी गतिविधियां क्या हैं? ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने पेगासस के इस्तेमाल की जानकारी दी थी और एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर शेयर बाजार में जोड़तोड़ का आरोप लगाया था। यही बात हिंडनबर्ग रिसर्च ने भी कही थी। सोचें, इसमें से कौन सी बात भारत विरोधी हो गई? अगर स्वतंत्र पत्रकारों के किसी समूह ने जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की रिपोर्ट दी या किसी कंपनी विशेष पर जोड़तोड़ का आरोप लगाया तो इसे देश विरोधी कैसे माना जा सकता है? लेकिन भाजपा का कहना है कि यह संस्था भारत के आर्थिक विकास को रोकना चाहती है। घूमा फिरा कर यह बात भी कही जा रही है कि राहुल गांधी के इशारे पर यह काम हो रहा है। इसका मतलब है कि राहुल गांधी इतने पावरफुल हैं कि वे अमेरिका जाते हैं और जॉर्ज सोरोस व अमेरिकी विदेश विभाग को इसके लिए तैयार करते हैं कि वे भारत विरोधी गतिविधियां चलाएं?

# सात दिन 700 करोड़ के करीब!, पुष्पाराज के आगे झुकीं जवान से टाइगर 3 समेत ये फिल्में

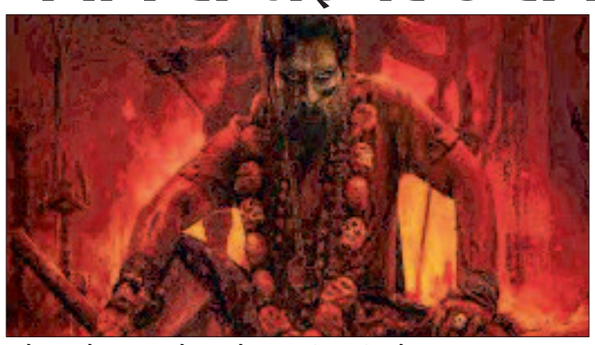

सुपरस्टार शाहरुख खान का हिंदी बॉक्स ऑफिस पर लगभग 2 साल पुराना ओपनिंग वीक रिकॉर्ड अल्लू अर्जुन की एक्शन ड्रामा पुष्पा 2 – द रूल ने मात्र 6 दिनों में तोड़ दिया है. यह डब वर्जन में हर रिकॉर्ड तोडक़र अब तक की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है.

वहीं, फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया है. क्या पुष्पा 2 प्रभास की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 के लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ पाएगी? अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज हुई और 7 दिनों के अंदर फिल्म नेट इंडिया कलेक्शन में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बहुत करीब पहुंच गई है.सैकनिल्क के मुताबिक, पुष्पा 2 ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले बुधवार को 42 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 687 करोड़ रुपये हो गया है। सिद्धार्थ आनंद की निर्देशित पठान पिछले साल जनवरी में रिलीज हुई थी. इसने अपने 9 दिनों में 351 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था. पुष्पा 2 ने इस रिकॉर्ड को आसानी से तोड़ दिया है. जी हां, अल्लू अर्जुन ने इस रिकॉर्ड को 6 दिनों में ही तोड़ दिया. पुष्पा 2 का कुल कलेक्शन सिर्फ 6 दिनों में 375 करोड़ नेट रहा.पुष्पा 2 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 7 दिन हो चुके हैं. इन एक सप्ताह में फिल्म ने हिंदी वर्जन में कई रिकॉर्ड ब्रेक किए. वहीं, एक सप्ताह पूरा होने के बाद फिल्म ने शादरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान, पठान, रणबीर कपूर की एनिमल समेत कई फिल्मों को पछाड़ दिया है. पुष्पा 2 ने 7वें दिन 30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. 7 दिनों के बाद पुष्पा 2 ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है.

## टिम साउदी ने अपने विदाई टेस्ट में क्रिस गेल के छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी की

वेलिंगटन, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने शनिवार को सेडन पार्क में अपने अंतिम टेस्ट मैच के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल के छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टेस्ट क्रिकेट में साउदी और गेल के अब बराबर छक्के (98) हो गए हैं, जो केवल एडम गिलक्रिस्ट (100), ब्रेंडन मैकुलम (107) और बेन स्टोक्स (133) से पीछे हैं। साउदी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में 272/8 के स्कोर पर बल्लेबाजी करने आए। उन्हें अपने विदाई टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाड़ियों से गार्ड ऑफ ऑनर मिला। साउदी ने अपनी पारी की पहली गेंद पर बेन स्टोक्स का सामना किया और पूरी तरह से चूक गए। हालांकि, स्टोक्स के अगले ओवर में साउदी ने मिड–विकेट और डीप स्क्वायर–लेग पर दो बड़े छक्के लगाए, इसके बाद पांचवीं गेंद पर एक रन लिया।

# ब्रिस्बेन टेस्ट : बारिश के चलते रुका खेल, ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 28/0

ब्रिस्बेन, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच में बारिश के चलते जल्दी लंच ब्रेक कर दिया गया। पांच मैचों की यह सीरीज फिलहाल 1–1 से बराबर है। तीसरे टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

भारतीय टीम इस मैच में दो बदलावों के साथ उतरी है। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की जगह पर रवींद्र जडेजा को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली है। वहीं हर्षित राणा की जगह पर आकाशदीप वापस आए हैं।

दूसरी ओर मेजबान टीम ने भी एक बदलाव करते हुए स्कॉट बोलैंड की जगह पर जोश हेजलवुड को लिया है। हेजलवुड चोट के चलते दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे।

ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 13.2 ओवर में बगैर कोई विकेट खोए 28 रन बना लिए हैं। उस्मान ख्वाजा 47 गेंदों पर 19 और नाथन मैकस्वीनी 33 गेंदों पर 4 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

इस सीरीज में टीम इंडिया की शुरुआत धमाकेदार रही थी जब उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 295 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी। लेकिन कंगारूओं ने दूसरे टेस्ट में पिंक बॉल के साथ घरेलू परिस्थितियों में खेलने की महारत का लाभ उठाते हुए मेहमानों को 10 विकेट से मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों के लिए इस सीरीज में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप दांव पर है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें इस समय क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम अंक तालिका में टॉप पर है। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भारत को अपनी घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0–3 से हारना काफी भारी पड़ा है।

# फिर क्वीन बनेंगी कंगना रनौत, इमरजेंसी की रिलीज से पहले लगी सीक्वल पर मुहर

कंगना रनौत की क्वीन आज भी लोगों के जहन में बसी हुई है इसी फिल्म से कंगना को बॉलीवुड की क्वीन का टैग भी मिला. ये फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई थी कि सबने इसके सीक्वल की खूब डिमांड की. अब आखिरकार इसके डायरेक्टर विकास बहल ने सीक्वल को कंफर्म कर दिया है. इससे कंगना रनौत के फैंस के बीच खुशी की लहर है. वकास बहल ने चिल्लर पार्टी, क्वीन, सुपर 30, शैतान जैसी यादगार फिल्में बनाई हैं. जहां उनकी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है, वहीं रानी के रूप में अपनी यादगार भूमिका को दोहराते हुए कंगना रनौत की क्वीन के सीक्वल की अटकलें चल रही थीं जो अब सच हो गई हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में विकास बहल ने ऑफिशियली पुष्टी की है कि क्वीन 2 पर काम चल रहा है. उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ समय से क्वीन 2 पर काम कर रहे हैं और आखिरकार हमारे पास कुछ बताने को है. हालांकि उन्होंने सीक्वल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी. लेकिन इस कंफर्मेशन से कंगना के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है.पिछले साल, विकास ने हिंट दिया था कि सीक्वल पर काम चल रहा है और कंगना रनौत अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगी. जिस पर रिएक्शन देते हुए कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, हां. अब 2024 में क्वीन के 10 साल पूरे होने पर विकास ने इसके सीक्वल के बारे में पुष्टी की है. उन्होंने इंटरव्यू में कहा, क्वीन की रिलीज को दस साल होने जा रहे हैं, लेकिन जितने लोग मुझसे क्वीन 2 के बारे में पूछते रहते हैं, उससे मुझे ऐसा लगता है जैसे फिल्म कल ही रिलीज हुई हो. उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमने वास्तव में अपनी कहानी लिखना समाप्त कर दिया है. इसलिए, हां सीक्वल बनना बनेगा.फिल्म मेकर ने इस बात पर जोर दिया कि सीक्वल को जल्दबाजी में नहीं बनाया गया, क्योंकि वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट ओरिजिनल फिल्म के साथ न्याय करे.

## सलमान खान के साथ काम कर सातवें आसमान पर रश्मिका मंदाना

पिछले कुछ समय से अभिनेता सलमान खान अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।इस फिल्म में सलमान की जोड़ी साउथ की जानी–मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। दोनों सितारे फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं।अब रश्मिका ने सलमान की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। रश्मिका ने कहा

## एक नजर

### नेशनल खेलने पर राइंकॉ खोलाचोरी की छात्रा सोनम उत्साहित

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी की कक्षा नौ की छात्रा सोनम रावत का अंडर-17 फुटबॉल नेशनल खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के बाद स्कूल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य द्वारा छात्रा और स्कूल के खेल प्रशिक्षक जितेंद्र राणा को उनकी इस उपलब्धि पर सम्मानित किया गया। सोनम रावत राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेलने पर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उत्तराखंड का पहला मैच लद्दाख से था जिसे हमने 9-0 से जीता, दूसरा मैच आईपीएससी से 4-1 से हारे और तीसरा मैच त्रिपुरा से 0-0 बराबरी पर रहा। कहा कि वह मेहनत कर फिर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करना चाहूंगी। स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेश आर्य, व्यायाम शिक्षक जितेंद्र राणा ने छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि छात्रा ने शिक्षा विभाग के साथ ही स्कूल, क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्रा को आगे भी हर संभव मदद दी जाएगी।

### आज होगी भू-कानून पर गोष्ठी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उमेश डोभाल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली व्याख्यानमाला के तहत एक गोष्ठी का आयोजन करेगा। गोष्ठी में चर्चा के बाद एक ठोस प्रस्ताव भी सरकार को प्रेषित किया जाएगा। ट्रस्ट के सचिव नरेश चंद्र नौड़ियाल, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि गोष्ठी रविवार को नगर पालिका सभागार पौड़ी में होगी। गोष्ठी का विषय कैसा हो उत्तराखण्ड में भू-कानून होगा। बताया कि गोष्ठी में इंद्रेश मैखुरी मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भू-कानून विशेषज्ञ विद्या दत्त शर्मा द्वारा की जाएगी। बताया कि इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा स्व. राजेंद्र रावत राजू स्मृति निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

### क्रॉस कंट्री दौड़ में विजय और मीनाक्षी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विजय दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को खेल विभाग द्वारा ओपन बालक की 6 किमी. और बालिकाओं की 3 किमी. क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजय सिंह और मीनाक्षी नेगी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रभारी कोतवाल अमरजीत सिंह ने किया। बालकों की क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में विजय सिंह ने पहला, धर्मेश ने दूसरा, जीवन ने तीसरा, बालिका वर्ग में मीनाक्षी नेगी ने पहला, निधि नेगी ने दूसरा, सुमन मलारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया किया। इस मौके पर प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप डुकलान, अपर उपनिरीक्षक दिनेश गुसाईं, रूपेश यादव, सुनील रावत, योगेश भट्ट, आशीष कुमार, विनोद कुकरेती आदि मौजूद रहे।

### कण्वाश्रम के विकास के लिए करें काम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नशामुक्ति एवं किडनी लीवर बचाओ जनजागरण ने कण्वाश्रम में इंटरनेशनल मंत्रणा सम्मेलन करवाने की मांग की है। कहा कि इससे कण्वाश्रम को विश्व पटल पर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। इस संबंध में समिति के राष्ट्रीय संयोजक नंद लाल धनगर ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि कण्वाश्रम राजा भरत की जन्म स्थली है। ऐसे में पर्यटन के क्षेत्र में कण्वाश्रम को बढ़ावा मिले, इसके लिए सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। कहा कि कण्वाश्रम में किडनी सुरक्षा के लिए इंटरनेशनल मंत्रणा सम्मेलन किया जाना चाहिए।

### आप कार्यकर्ताओं ने किया जन संपर्क

श्रीनगर गढ़वाल : आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को आप के नगर संयोजक आदित्य नेगी के नेतृत्व में घसिया महादेव वार्ड में घर-घर जाकर जन संपर्क किया।

इस दौरान आप नेता गणेश भट्ट ने नालों में जमी गंदगी और कूड़े बिखरने पर रोष व्यक्त किया। इस दौरान भट्ट ने नगर और मोहल्लों में नालियों की सफाई और रास्तों का निर्माण कार्य पूरा न होने पर नगर निगम प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए। कहा कि मोहल्लों में जाने वाले आम रास्ते टूटे पड़े हैं और मंदिर के बगल के रास्ते में बड़ा नाला गंदगी से भरा पड़ा है। जो दर्जनों बीमारियों को न्योता दे रहा है, जिसकी नियमित सफाई होनी चाहिए थी। कहा कि यदि स्थानीय जनता इस बार आम आदमी पार्टी को नगर निगम श्रीनगर में काम करने का मौका देगी तो प्राथमिक कार्यों में घसिया महादेव वार्ड के घरों तक जाने वाले रास्तों को पक्का किया जाएगा और नालों की मरम्मत कर सफाई व्यवस्था ठीक की जाएगी।

# आईएचएमएस के छात्रों को मिलेगा आईटी कंपनी में कोर्स का मौका

### सीएसआर प्रोग्राम के तहत कॉलेज और कंपनी के बीच हुआ एमओयू

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : अब इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज के छात्र-छात्राओं को दुनिया की अग्रणी आईटी कंपनी आईबीएम में निःशुल्क कोर्स करने की सुविधा मिलेगी। कॉलेज ने इसको लेकर कंपनी से एमओयू किया है।बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित कॉलेज के सेमिनार हॉल में कॉलेज प्रबंधन और सभी प्राध्यापकों की मौजूदगी में आईबीएम के लाइफ टाइम कोर्स के लिए एमओयू हुआ। भारत में आईबीएम के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) प्रोग्राम को देख रही संस्था रिचा के सीईओ निखिल पंत के प्रतिनिधि के रुप में पहुंचे परितोष बिष्ट और आईएचएमएस के डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. अश्वनी शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर एक दूसरे को अनुबंध की फाइल सौंपी। इस अवसर पर परितोष बिष्ट ने आईएचएमएस प्रबंधन को आईबीएम से एमओयू होने की शुभकामनाएं दी। कहा कि आईबीएम की इस स्कील बिल्ड प्रोग्राम के तहत छात्रों को अनलिमिटेड कोर्स उपलब्ध होंगें। जिसमें मुख्य रुप से क्लाउड कंप्यूटरिंग, साइबर सिक्योरिटी, वेब डेबलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, कम्यूनिकेशन एंड लीडरशिप, आर्टिपिशियल इंटेलीजेंस के अलावा फैकल्टी डिबलपमेंट प्रोग्राम, टीचर ट्रेनिंग आदि कोर्स उपलब्ध होंगे और प्लेसमेंट की सुविधा भी होगी। प्राचार्य डॉ. अश्वनी ने कहा कि इस एमओयू से आईएचएमएस के वर्तमान और पूर्व छात्र-छात्राओं सहित प्राध्यापक भी आईबीएम के इस स्कील बिल्ड प्रोग्राम का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर कॉलेज के डारेक्टर एडमिन कर्नल बीएस गुसाईं (सेनि.), जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, एचओडी कंप्यूटर साइंस अनुराग सेमवाल, एचओडी मैनेजमेंट सुरेंद्र सिंह जगवान, एचओडी होटल मैनेजमेंट पंकज कुकरेती, प्लेसमेंट सेल से दीप्ति ध्यानी जखमोला, अनिल यादव सहित सभी प्राध्यापक मौजद रहे।

सीएसआर प्रोग्राम के तहत कॉलेज और कंपनी के बीच हुआ एमओयू

# ऊर्जा संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत नवयुग पब्लिक स्कूल में शनिवार को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया। इस दौरान ऊर्जा संरक्षण के संबंध में भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

प्रधानाचार्या नीलम नेगी व उप प्रधानाचार्य सम्राट रावत ने अपने-अपने संबोधन में ऊर्जा दक्षता व ऊर्जा संरक्षण को राष्ट्र की प्रतिबद्धता बताया। साथ ही सभी छात्रों को ऊर्जा का कम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान शिक्षक राजेश कुकरेती, रजनीश कुमार, प्रदीप रावत, मनीषा शर्मा ने सार्योदय योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि भारत एलईडी बल्व के उपयोग से हर वर्ष 125 मिलियन टन कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी कर रहा है। जिससे भारत अपने लक्ष्य आने वाले वर्ष 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा खपत का 50 प्रतिशत ग्रीन ऊर्जा से पूर्ण करेगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में मंच का संचालन शिक्षिका नेहा ने किया।

नवयुग पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

# परीक्षा जल्द कराए जाने पर छात्रों में आक्रोश

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ी : जीबी पंत प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी संस्थान घुड़दौड़ी के फर्स्ट ईयर के छात्रों की सेमेस्टर परीक्षा इसी महीने किए जाने को लेकर छात्रों ने आक्रोश व्यक्त किया है। छात्रों का कहना है कि अभी सिलेब्स भी पूरा नहीं हुआ है और परीक्षा कराई जा रही है। वहीं इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक का कहना है कि उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय के कैलेंडर के मुताबिक परीक्षा आयोजित की जा रही हैं।

छात्रों का कहना है कि फर्स्ट ईयर में प्रवेश देर से होने की वजह से सिलेब्स पूरा नहीं हो पाया है वहीं, पहाड़ों में मौसम के खासे सर्द रहने के कारण भी परेशानी होती है। बताया कि कॉलेज में बॉयोटेक, मैकेनिकल और कंप्यूटर साइंस आदि को मिलाकर करीब आधा दर्जन से अधिक ब्रांचों में साढ़े तीन सौ छात्र हैं। इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डा. वीएन कला ने बताया कि छात्रों की इस समस्या से शासन को अवगत कराया गया है। कॉलेज में इससे पहले फर्स्ट ईयर के छात्रों की परीक्षा को फरवरी में किया जाता था

। जबकि अन्य छात्रों की परीक्षा को दिसंबर अंत तक आयोजित करवाया जाता था। इस बार उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय के कैलेंडर के मुताबिक परीक्षा आयोजित की जा रही हैं। जिसके चलते टाइम टेबल में अंतर आ गया है। इस संबंध में शासन से भी वार्ता की जा रही हैं। शासन के दिशा निर्देश के तहत कदम उठाए जाएंगे।

### युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : रिखणीखाल थाना प्रभारी संतोष पैथवाल इन दिनों मोटिवेशनल क्लास चलाकर युवाओं को पुलिस में भर्ती होने के साथ ही अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के गुर सिखा रहे हैं।

क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर चलाई जा रही इन मोटिवेशनल कक्षाओं में थाना प्रभारी संतोष पैथवाल ने बताया कि युवा सामाजिक बुराईयों से दूर रहकर जीवन के बेहतर पथ पर आगे बढ़ सकें, इसके लिए उनका मार्गदर्शन होना अति आवश्यक है। युवाओं को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ना चाहिए। मेहनत करने वाले व्यक्ति को एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। कहा कि युवाओं को अपने भीतर देश भक्ति का जुनून पैदा करना चाहिए। थाना प्रभारी ने अपने जीवन का अनुभव भी युवाओं के साथ साझा किया।

उन्होंने पुलिस में भर्ती होने के प्रारंभिक गुर भी सिखाए। साथ ही लिखित परीक्षा पास करने के लिए की जाने वाली तैयारी के बारे में भी बताया। बताया कि पुलिस की ओर से चलाई जा रही मोटिवेशनल क्लास आगे भी जारी रहेगी। युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में इसमें प्रतिभाग करना चाहिए।

# लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का करें निर्माण

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रेवश द्वार कोटद्वार की अनदेखी पर उत्तराखंड क्रांति दल का धरना चौथे दिन भी जारी रहा। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सरकार से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण सहित अन्य समस्याओं के जल्द निराकरण की मांग उठाई। कहा कि शहर की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

देवी मंदिर स्थित विश्राम स्थली में धरने का आयोजन किया गया। उक्रांद नेता शक्ति शैल कपरवाण ने कहा कि शासन-प्रशासन की ओर से शहर की अनदेखी की जा रही है। जगह-जगह नालियों के ऊपर बने चैंबर टूट चुके हैं। शहर में लगातार बढ़ रही गोवंशों की संख्या में मुसीबत बनती जा रही है। इसके संरक्षण को लेकर भी लापरवाही दिखाई जा रही है। सिम्मलचौड़ क्षेत्र में खुदा गंदा नाला दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहा है। बताया कि इस संबंध में लोक निर्माण विभाग को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों का सांस लेना भी दूभर होता जा रहा है। उक्रांद ने कण्वाश्रम के विकास को लेकर भी कार्य करने की मांग उठाई। कहा कि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। सदस्यों ने रामनगर-कालागढ़-कोटद्वार-चिल्लरखाल-लालढांग मोटर मार्ग मरम्मत की भी मांग उठाई। धरने में उक्रांद ने राजनेताओं व जनप्रतिनिधियों के साथ ही अधिकारियों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया। कहा कि धरने को चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक शासन-प्रशासन ने उनकी सुध नहीं ली। यदि जल्द इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस मौके पर जगदीपक रावत, सत्य प्रकाश भारद्वाज, हरीश द्विवेदी, गुलाब सिंह रावत, अर्चना दुदपुड़ी, सत्यपाल सिंह नेगी, राजेंद्र पंत, प्रवेश नवानी, हरीश घिल्डियाल, योगेन्द्र नेगी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के देवी रोड में धरना देते उक्रांद के सदस्य

# बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में निकाला जुलूस

रुद्रप्रयाग : बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे लगातार हमलों और अत्याचारों के खिलाफ शनिवार को मुख्यालय में विभिन्न हिंदू संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केदारनाथ तिराहे से लेकर रुद्रा बैंड तक जुलूस निकाला और बांग्लादेश सरकार से हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान हिंदू एकता जिंदाबाद और बांग्लादेश सरकार मुर्दाबाद के नारे गूंजते रहे। इस दौरान प्रदर्शन में भाग लेने वाले नेताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना, महिलाओं के साथ अत्याचार करना और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना लगातार बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से भी अपील की कि बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाया जाए। इस प्रदर्शन में रुद्रप्रयाग के कई प्रमुख हिंदू संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार ने कहा कि हिन्दुओं के खिलाफ किए जा रहे अत्याचार किसी भी दशा में बर्दास्त नहीं किए जाएंगे। इसके लिए पूरे देश भर में हिन्दू प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मौके पर बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल खन्ना, स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक पंकज, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सविता भंडारी, अजय सेमवाल, गंभीर बिष्ट, विकास डिमरी सहित बड़ी संख्या में हिन्दू संगठनों के लोग मौजूद थे। (एजेंसी)

## राआप्रावि छिड़िया को मिला निपुण पुरस्कार

चमोली : निपुण भारत अभियान के अंतगर्त राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (एनसीईआरटी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजकीय आदर्श प्रावि छिड़िया को राज्य स्तरीय निपुण विद्यालय पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया है। पुरस्कृत विद्यालय के अध्यापक रमेश निराला ने बताया कि विद्यालय में निपुण बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के तहद छात्र-छात्राओं को टीएलएम एवं गणित किट के माध्यम से अध्यापन कराया जाता है। क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल, प्रमुख शशि सौरियाल एवं विद्यालय के अभिभावकों ने विद्यालय की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है। (एजेंसी)

# बाल मेले में छात्रों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

नई टिहरी : आल सेंट्स कान्वेंट स्कूल में क्रिसमस चैरिटी बाल मेला आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं ने स्वयं से बनाए गए उत्पादों के स्टॉल, क्रिसमस सामग्री और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। अतिथियों, स्कूल के शिक्षकों और अभिभावकों ने मेले में जमकर खरीदारी की।

मेले में गढ़वाली भोजन का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। शनिवार को बाल मेला जिला जज योगेश कुमार गुप्ता ने उद्घाटन करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ ही खेल और इस तरह की गतिविधियां नियमित अंतराल में आयोजित की जानी चाहिए। ताकि छात्र-छात्राओं को सामाजिक जीवन का भी महत्व पता चले। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर साइबर क्राइम, आईटी ऐक्ट, पॉक्सो सहित कई कानूनों की जानकारी दी गई। स्कूल प्रबंधक सीवी सेविष्टिन ने बताया कि मेले में एकत्रित धनराशि को दिव्यांग बच्चों की सहायता को देंगे। छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, जौनसारी, हिंदी और अंग्रेजी गीतों की रंगारंग प्रस्तुति दी। इस दौरान लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर सीजेएम मिथिलेश कुमार पांडेय, सिविल जज सीनियर डिविजन मो. याकूब, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी, प्रधानाचार्य सिस्टर दीपांडु, राजपाल मिंया, विकास डंगवाल, विक्रम कठैत, चरणजीत, भागवत रौतेला, डॉ. वंदना शर्मा, ऋषिका, रीना भट्ट, संगीता चौहान, अंजुला बिष्ट, वंदना आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

### आज से लेंगे खिलाड़ी एथलेटिक्स का प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : रांसी स्टेडियम में रविवार से राज्य के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी एथलेटिक्स का प्रशिक्षण लेंगे। एथलेटिक्स के तहत प्रतिभागी खिलाड़ियों को लंबी कूद, ऊंची कूद, दौड़, गोला फैंक, चक्का फैंक, हेमर थ्रो सहित कई खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेल विभाग की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर दी गई है। प्रदेश में पहली बार जनवरी से शुरू होने जा रहे राष्ट्रीय खेलों के लिए पौड़ी में एथलेटिक्स अभ्यास करेंगे। यहां विशेष प्रशिक्षण शिविर में आए खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों में राज्य की टीम से प्रतिभाग करेंगे। खेल विभाग के मुताबिक राज्य के विभिन्न जिलों के 60 खिलाड़ी पौड़ी के रांसी स्टेडियम में एथलेटिक्स का प्रशिक्षण लेंगे। जिसमें 26 बालिकाएं भी शामिल हैं। प्रभारी जिला क्रीडा अधिकारी संदीप डुकलान ने बताया कि दो चरणों में खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा। पहले पंद्रह दिन के प्रशिक्षण के बाद पांच गैप के बाद फिर पंद्रह दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बताया कि खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए दस कोच शामिल हैं।

# राष्ट्रीय खेल : 'मौली' के स्प में शुभंकर का नया अवतार

**जयन्त प्रतिनिधि।**

देहरादून : उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारी तेज हो गई है। राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर प्रतीक 'मौली' (मोनाल पक्षी) नए अवतार में नजर आएगा। यह खिलाड़ियों के नजरिए से ज्यादा आकर्षक और प्रेरक होगा। राष्ट्रीय खेल के लोगों को भी नए सिरे से डिजाइन किया गया है। जर्सी, टार्च, एंथम सभी में उत्तराखंड की छाप नजर आएगी। दरअसल, 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी उत्तराखंड को करीब आठ वर्ष पहले मिल गई थी। तब इसका शुभंकर प्रतीक और लोगो जारी किया गया था। इन खेलों के लिए उत्तराखंड के राज्य पक्षी मोनाल को शुभंकर प्रतीक बनाया गया था। मगर लंबे विमर्श के बाद यह महसूस किया गया कि शुभंकर प्रतीक को और आकर्षक बनाने की आवश्यकता है। ताकि शुंभकर प्रतीक खिलाड़ियों से ज्यादा कनेक्ट कर पाए। अब इन खेलों का शुभंकर प्रतीक मौली के रूप में सामने आ रहा है। इसी तरह, लोगों को भी नए सिरे से डिजाइन किया गया है। मकसद ये ही है कि नई स्थितियों के अनुरूप ये ज्यादा आकर्षक नजर आएं। राष्ट्रीय खेल सचिवालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिन्हा के अनुसार राष्ट्रीय खेलों की तैयारी तेजी से चल रही है। हम बेहतर आयोजन के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशांत आर्य के मुताबिक-बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए जिस तरह की भी आवश्यकता है, उसके इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में खेलों के इतने बड़े आयोजन की मेजबानी के लिए हम उत्साहित है। इसके लिए हमारी पूरी तैयारी है। सभी के सहयोग से भव्य और बेहतर इंतजाम किए जाएंगे।

**शुभंकर, लोगो आज कल होंगे लांच**

38वें राष्ट्रीय खेलों के लिहाज से रविवार यानी 15 दिसंबर का दिन काफी खास होने जा रहा है। रविवार को खेलों के शुभंकर प्रतीक, लोगो, टार्च, एंथम जर्सी लांच होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लांचिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे, जबकि केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा की खास उपस्थिति होगी।

**मशाल में गंगा, ब्रह्मकमल के दिखेंगे चिन्ह**

राष्ट्रीय खेलों की मशाल में सदानीरा गंगा, राज्य पुष्प ब्रह्म कमल के चिन्ह दिखाई देंगे। इसे इसी हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, उत्तराखंडी लोक कला ऐपण के भी दर्शन प्रचार सामग्री से लेकर अन्य जगहों पर प्रभावी ढंग से होंगे। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय खेलों की तैयारी के बीच छह टन स्क्रैप से बना टाइगर भी अपनी ओर सभी का ध्यान खीचेंगा। यह पूरी तरह से स्क्रैप से तैयार किया गया है, जिसे बनाने में करीब 20 दिन लगे हैं।

### आज होगी संयुक्त मोर्चा की बैठक

नई टिहरी : जनपद टिहरी गढ़वाल के राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा की भिलंगना घनसाली में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रविवार को एक बैठक होगी। यह जानकारी देते हुए मोर्चे के जिलाध्यक्ष राजीव उनियाल ने दी। बताया कि बैठक का उद्देश्य विकासखंड भिलंगना में पुरानी पेंशन की अलख को जगाना है, साथ ही पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ब्लॉक कार्यकारिणी का भी गठन किया जाएगा। कहा कि जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती है।

# राज्य में हर महीने मिला तीन लाख लोगों को आयुष सेवा का लाभ

**जयन्त प्रतिनिधि।**

देहरादून : नेशनल आयुष मिशन में उत्तराखंड की वर्तमान स्थिति उसकी प्रगति की कहानी को खुद बयां कर रही है। उत्तराखंड में हर महीने करीब तीन लाख लोग आयुष सेवा से लाभान्वित हो रहे हैं। पिछले 22 महीनों के आंकड़ों की बात करें, तो उत्तराखंड में 67 लाख से ज्यादा लोगों ने आयुष स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है।

नेशनल आयुष मिशन केंद्रीय आयुष मंत्रालय की फ्लैगशिप योजना है। इसे दूरदराज के क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लक्ष्य के साथ डिजाइन किया गया है। उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य के लिए इस योजना की खास अहमियत मानी जा रही है। इस योजना में वर्ष 2023 से अब तक के जो उपलब्ध आंकड़े हैं, वह उत्तराखंड की प्रगति को सामने रख रहे हैं। केंद्रीय आयुष मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में उत्तराखंड में 42 लाख 64 हजार लोगों ने आयुष सेवा का लाभ उठाया है। इस वर्ष अक्टूबर माह तक 24 लाख 56 हजार लोग इस सेवा से लाभान्वित हो चुके हैं। विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो-2024 के दौरान उत्तराखंड की प्रगति की खास चर्चा हुई है। देहरादून आए केंद्रीय आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने उत्तराखंड की प्रगति को सराहा है। उनका कहना है कि नेशनल आयुष मिशन के तहत केंद्रीय आयुष मंत्रालय की कोशिश प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने की है। उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक स्थितियों वाले राज्य में नेशनल आयुष मिशन की सफलता उत्साहित करने वाली है।

### महापंचायत के लिए ग्रामीणों से मांगा समर्थन

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के गवाणा ग्राम सभा में युवाओं ने मूल निवास 1950 एवं भू-कानून के समर्थन में 30 दिसंबर को कीर्तिनगर में होने वाली महापंचायत के लिए ग्रामवासियों से समर्थन मांगा। इस दौरान युवाओं ने ग्रामीणों को किसी भी बाहरी व्यक्ति को जमीन न बेचने की प्रतिज्ञा दिलाई। ग्रामीण जट्टी देवी, जसपाल सिंह, केदार सिंह, जगत सिंह, कुंवर सिंह, विजयनंद गोदियाल, धनवीर सिंह, शिवदेव सिंह, दिनेश सिंह, राजेंद्र सिंह, उत्तम सिंह, सुरेश सिंह ने मूल निवास भू कानून संघर्ष समन्वय समिति को समर्थन देते हुए कहा कि वह किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपनी जमीन नहीं देंगे।

# कर्मचारी पूरी निष्ठा से कार्य करें : अधिशासी अधिकारी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ी : नगर पालिका ने शहर में अलाव व्यवस्था से लेकर रैन बसेरे में सुविधाएं दुरुस्त रखने के लिए नोडल अधिकारी नामित कर दिए हैं। साथ ही कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। अधिशासी अधिकारी ने नियुक्त कर्मचारियों को पूरी निष्ठा से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि अगर किसी ने काम में लापरवाही की तो कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी एसपी जोशी ने बताया कि शहर में ठंड से बचाव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रात में खुले में रहने वाले राहगीरों, दूर-दराज से आने वाले ऐसे राहगीर जिनकी अंतिम बस किसी कारण से छूट गई है और आर्थिक स्थिति के चलते होटल में रहने की क्षमता नहीं रखते है ऐसे राहगीरों को भी रैन बसेरे में ठहरने की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही पालाग्रस्त क्षेत्रों में नियमित चूने का छिड़काव करने, शहर में अलाव की व्यवस्था, रैन बसेरे में सुविधाएं दुरुस्त रखने को लेकर कर अधिकारी रमेश पाठक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही अन्य कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है।

**सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी संख्या- 272332148 पंजीकृत है। उपरोक्त पॉलिसी में त्रुटिवश मेरा नाम अनन्या जदली पुत्री श्री संतोष चन्द्र अंकित हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक व सही नाम अनुराधा (ANURADHA) पुत्री श्री संतोष चन्द्र है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड व शैक्षणिक अभिलेखों में दर्ज है।

**अनुराधा पुत्री श्री संतोष चन्द्र निवासी ग्राम व पोस्ट पदमपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्त-राखण्ड।**

(0614/21)

## एक नजर

### पांडव नृत्य देखने दूर-दूर से पहुंच रहे लोग

रुद्रप्रयाग : ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मन्दिर में इन दिनों पांडव नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। पांडव नृत्य के 22 वें दिन बड़ी संख्या में भक्तों ने भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पांडव नृत्य के दौरान 17 दिसम्बर को चक्रव्यूह का आयोजन किया जाएगा। पौराणिक मान्यता है कि स्वर्ग जाते समय पांडव अलकनंदा व मंदाकिनी नदी किनारे से होकर स्वर्गारोहणी तक गए। जहां-जहां से पांडव गुजरे, उन स्थानों पर विशेष रूप से पांडव लीला आयोजित होती है। प्रत्येक वर्ष नवंबर से लेकर फरवरी तक केदारघाटी में पांडव नृत्य का आयोजन होता है। स्थानीय ग्रामीण अर्जुन रावत ने बताया कि मान्यतानुसार स्वर्ग जाने से पहले भगवान कृष्ण के आदेश पर पांडव अपने अस्त्र-शस्त्र पहाड़ में छोड़कर मोक्ष के लिए स्वर्गारोहणी की ओर चले गए थे। जिन स्थानों पर यह अस्त्र छोड़ गए थे, उन स्थानों पर विशेष तौर से पांडव नृत्य का आयोजन किया जाता है और इन्हीं अस्त्र-शस्त्रों के साथ पांडव नृत्य करते हैं। इस मौके पर पांडव नृत्य समिति अध्यक्ष विजय राणा, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद भट्ट, कोषाध्यक्ष कुंवर सिह बर्त्वाल, सचिव राजीव भट्ट, सतेश्वर प्रसाद सेमवाल, बीर सिह बर्त्वाल, सहसचिव भगवती शैव, शिव प्रसाद, दिनेश जमलोकी, दलबीर सिंह, बीरेंद्र बर्त्वाल, प्रदीप रावत, नवीन शैव, सन्दीप बर्त्वाल आदि थे। (एजेंसी)

### जल्द होगा मैदान समतलीकरण का कार्य

नई टिहरी : विधानसभा देवप्रयाग के तहत तहसील कीर्तिनगर के ग्राम नैथाणा में स्टेडियम निर्माण के लिए भूमि समतलीकरण का कार्य रेलवे विकास निगम आगामी 16 दिसंबर से शुरू करेगा। यह जानकारी देते हुए देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि मैदान के समतलीकरण को लेकर रेलवे विकास निगम ने लिखित रूप से अवगत कराया है। मैदान समतलीकरण के बाद यहां पर खेल मैदान की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ेगी। जिसका लाभ आम लोगों को मिलेगा। (एजेंसी)

### पर्यावरण संरक्षण से निपटने को छात्रों से की अपील

नई टिहरी : आने वाले समय में यदि हमने अपने प्राकृतिक संसाधनों को नहीं बचाया, तो भविष्य में तीन तत्व हवा, पानी और भोजन के संकट से जुझना पड़ेगा। पद्मश्री कल्याण सिंह मैती ने यह बात कसमोली-आगराखाल थौल के प्रथम दिन विद्यालयों को व्याख्यान देते हुए जीआईसी दुआधार में कही। कल्याण सिंह ने छात्रों को पर्यावरण के प्रति सचेत रहने की अपील करते हुए कहा कि अपने समीपवर्ती क्षेत्र में जल, जन व वन को लेकर जागरूकता फैलाने को कहा। कहा कि उत्तराखंड के प्राकृतिक जल स्त्रोतों के प्रबंधन और आने वाले जल संकट के स्थाई समाधान के लिए प्रयास किये जाने चाहिए। कहा कि दुनिया में प्लास्टिक के बढ़ते प्रयोग का सीमीत करने की आवश्यकता है। इससे गहन पर्यावरण समस्या पैदा हो रही है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चतुर लाल सुमंद, राजेद्र रमोला, दीपक जुयाल, विंटर लाइन रिसोर्ट के सुरेंद्र कंडारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष डा डीएस रतूड़ी, पूर्व प्रमुख वीरेंद्र सिंह कंडारी, दयाल सिंह रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

### हड़ताल से नहीं पहुंची सब्जियां

चमोली : ट्रकों की हड़ताल के कारण दो दिन से कर्णप्रयाग सहित आसपास के क्षेत्रों में सब्जी की सप्लाई नहीं हो पाई। ऐसे में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानों में सब्जी समाप्त हो जाने से अधिकांश सब्जियों की दुकानें बंद रही। हालांकि लोगों ने स्थानीय स्तर पर आसपास के क्षेत्रों में उत्पादित राई, मेथी आदि खरीदे। लेकिन आलू, टामाटर, प्याज सहित फल नहीं मिल पाए। सुभाष, जितेंद्र, गोवर्धन, दिनेश, अरुण ने कहा कि बाजार में सब्जी नहीं मिलने से दिक्कत हो रही है। (एजेंसी)

### बैंक केवाईसी के नाम पर महिला से 3.81 लाख हड़पे

देहरादून। साइबर ठग ने बैंक अधिकारी बनकर देहरादून की महिला से केवाईसी के नाम पर 3.81 लाख रुपये हड़प लिया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। ढालनवाला पुलिस के अनुसार, संगीत निवासी लक्ष्मी रोड ने तहरीर दी कि 28 नवंबर को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को यूनियन बैंक का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके बैंक खाते की केवाईसी नहीं हो रखी है। केवाईसी नहीं करने पर उनका खाता बंद कर दिया जाएगा। ऐसे में महिला केवाईसी करने के लिए तैयार हो गई।

# भारत दर्शन—शैक्षिक भ्रमण कर आए छात्र—छात्राओं के दल ने राज्यपाल से की मुलाकात

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में भारत दर्शन–शैक्षिक भ्रमण कर आए छात्र–छात्राओं के दल ने मुलाकात की। छात्र–छात्राओं ने भ्रमण के दौरान हुए अपने अनुभवों को राज्यपाल से साझा किया।

9 दिसंबर को हाईस्कूल परीक्षा–2024 के टॉपर 157 छात्र–छात्राओं ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली के प्रमुख शैक्षिक और तकनीकी संस्थानों के साथ–साथ ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षिक भ्रमण शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहता बल्कि छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण छात्रों को विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और जीवनशैली से परिचित कराते हैं, जिससे उनकी सोच में उदारता और मानवता के प्रति सहानुभूति जागृत होती है। राज्यपाल ने कहा कि भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को न केवल उच्च शिक्षा संस्थानों की जानकारी देना है, बल्कि उन्हें अन्य राज्यों की संस्कृति और तकनीकी उपलब्धियों से परिचित कराना है। साथ ही, यह छात्रों को अपने प्रदेश की संस्कृति को साझा करने का अवसर भी प्रदान करता है।राज्यपाल ने छात्रों से कहा कि आज का युग ज्ञान और कौशल का है, और छात्रों को अपने सपनों को बड़ा रखना चाहिए। उन्होंने छात्रों को बड़े लक्ष्य और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इस भ्रमण से जो भी सीखें, उसे अपने जीवन में लागू करें और अपनी सोच को वैश्विक स्तर पर विस्तारित करें। राज्यपाल ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि बच्चों के भ्रमण से प्राप्त अनुभव भी लिए जांए। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे अन्य बच्चे भी बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे। इस अवसर पर सचिव श्री रविनाथ रामन ने इस शैक्षिक भ्रमण के उद्देश्य और भ्रमण के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

## युवाओं को विदेशों में नौकरी के भी ज्यादा अवसर दिलाएंगे: सौरभ बहुगुणा

देहरादून। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के तहत जापान में केयर गिवर जॉब रोल के लिए चुने गए नौ युवाओं ने शनिवार को कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा से उनके यमुना कालोनी स्थित कैंप कार्यालय में मुलाकात कर अपने अनुबंध पत्र सौंपे। इस मौके पर बहुगुणा ने कहा कि राज्य के साथ ही विदेशों में भी प्रदेश के प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत नौ नवंबर को सहसपुर के शंकरपुर में विदेश रोजगार प्रकोष्ठ– स्किल हब शुरू किया गया। इस योजना के प्रथम चरण में जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और आयरलैण्ड में नर्सिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं को विदेशों में सेवायोजित करने के लिए जापानी, जर्मनी एवं अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। केयर गिवर जॉब रोल के प्रथम बैच के जापानी भाषा में 33 युवाओं को जापानी भाषा का प्रशिक्षण दिया गया था। इनमें 23 ने जापानी भाषा दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ ही जापान में प्लेसमेंट भी प्राप्त कर लिया है। इसी प्रकार लगातार युवाओं के विदेशों में नौकरी के अवसर मिल रहे हैं। बहुगुणा ने बताया कि वर्ममान में सरकार नर्सिंग के अलावा आतिथ्य,ऑटोमोटिव, आईटी, सिक्योरिटी गार्ड, के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में आइटीआइ पास प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

## पूर्व डीआईजी चमोली को लाइफ अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

देहरादून। मसूरी फ्लागरेंस एंड फ्लावर्स इंस्टीटयूट के तत्वाधान में इंटरप्नियूरल इंटरशिप कार्यक्रम में प्रकृति के फूल पौधे व औषधीय पौधों से बनाये गये इत्र, साबुन व अन्य उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई व इसके लाभ के बारे में बताया गया।

इस मौके पर हिमालयन साहसिक संस्थान के अध्यक्ष पूर्व डीआईजी एसपी चमोली को उनकी उपलब्धियों के लिए डा. ओम प्रकाश दुग्गल चेरिटेबल सोसायटी की ओर से पहले लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड व गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। हिम सुरभि अरोमा म्यूजियम के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि पूर्व डीआईजी एसपी चमोली व डा.ज्योति मारवाह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एसपी चमोली ने कहा कि डा. ज्योति मरवाह ने डा. ओम प्रकाश दुग्गल चेरिटेबल सोसाइटी की ओर से लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार व गोल्ड मेडल दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सोसाइटी इतना महत्वपूर्व कार्य कर रही है जिसका पूरे उत्तराखंड की आर्थिकी के लिए जरूरी है, पेड़ पौधौ, फूलों आदि से तेल निकाला जा रहा है जिसका विभिन्न क्षेत्रो में उपयोग किया जा रहा है इस तकनीकि को गांव गांव तक पहुचाने की जरूरत है व आने वाले समय में यह उद्योग के रूप में पनप सकता है। वहीं तेल के साथ साबुन बनाये जा रह है। उन्होंने कहाकि सरकार की ओर से इस क्षेत्र में पूरा सहयोग नहीं मिल पा रहा है सरकार को स्कूल स्तर पर इसकी शिक्षा देनी चाहिए ताकि वह स्वरोजगार के तहत प्रकृति से उत्पन्न इन चीजों का उपयोग कर सकें। इस मौके पर डा. ज्योंति मारवाह ने कहा कि एसपी चमोली को पहला लाइफ टाइम अवीचमेंट अवार्ड दिया गया ताकि अन्य उनके अनुभवों से सीखें।

## पुलिस और पीएसी के साथ ऊर्जा निगम ने की छापेमारी

रुड़की। देहात क्षेत्र में बिजली चोरी की शिकायत पर ऊर्जा निगम की देहरादून विजिलेंस और लक्सर डिविजन की अलग–अलग टीमों ने पुलिस और पीएसी के साथ कई गांवों में ताबड़तोड़ छापे मारे। टीम ने सोलह जगहों पर बिजली की चोरी पकड़ी गई। इन सभी के खिलाफ लक्सर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। लक्सर की देहात क्षेत्र में बिजली की चोरी आम बात है। कई बार इसके खिलाफ कार्रवाई करने गए ऊर्जा निगम के कर्मचारियों को ग्रामीणों के विरोध का सामना भी करना पड़ता है। इसे देखते हुए शनिवार में ऊर्जा निगम की दो टीमों ने बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी फोर्स साथ लेकर गांवों में छापेमारी की। छापे में टीमों ने पीपली गांव में निसार अहमद पुत्र गफूर अली, शौकीन, अली हसन पुत्र मीर हसन, निगम पुत्र अतर सिंह, मुन्ना पुत्र लतीफ और महतोली में बिजेंद्र पुत्र कलीराम, अरविंद पुत्र सोमपाल, विनोद पुत्र कलीराम, राजू पुत्र पाल्लू, सुखपाल पुत्र इंदर, राजेश पुत्र रामचंदर, सतीश पुत्र रामपाल के घर में बिजली चोरी पकड़ी है। इनके अलावा लक्सर गांव में अर्जुन सिंह पुत्र अमरपाल, अकौढ़ा कलां में पंकज पुत्र मुकेश कुमार, बसेड़ी खादर में राकेश पुत्र कलिराम, खड़ंजा कुतुबपुर में मुस्तकीम उर्फ भूरा पुत्र रशीद अहमद मुंडा खेड़ा खुर्द में शाहिद अहमद पुत्र रहमतुल्लाह के घरों में भी टीमों ने बिजली की चोरी पकड़ी। इन सभी आरोपियों के घर से कटिया सील करने के बाद टीमों ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी।

## डिग्रियां पाकर खिले छात्र–छात्राओं के चेहरे

देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय में शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। जिमसें विभिन्न कोर्स के 1247 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। जिनमें 26 को मेडल और 29 को पीएचडी डिग्रियां भी बांटी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा मंत्री डा. धनसिंह, विवि के अध्यक्ष अनुज अग्रवाल, कुलपति प्रो. जी रघुराम, प्रधान सलाहकार एन रविशंकर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद छात्र छात्राओं को डिग्रियां बांटी गई। इस दौरान डा. धनसिंह ने डिग्रियों को समाज वे देश हित में इस्तेमाल करने और नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डिग्रियां पाने के बाद अब नई पारी में उन्हें और ज्यादा मेहनत करनी होगी। कहा कि नौकरी मांगने के बजाए पाने वाले बनने की कोशिश करो। डिग्री पाने वालों में 228 स्नातकोत्तर छात्र, 979 स्नातक छात्र और को डिप्लोमा छात्र शामिल थे।

## दस गांवों को नशामुक्त बनाएंगी डिग्री कॉलेज के बच्चे

रुड़की। रानी धर्म कुंवर राजकीय डिग्री कॉलेज खानपुर की छात्र–छात्राएं आसपास के 10 गांवों को नशामुक्त बनाने का प्रयास करेंगे। शनिवार को कॉलेज में इसके लिए नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित कर 5–5 बच्चों की दस टीम बनाई गई। कार्यक्रम के बाद इन टीमों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार मौर्य ने कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि नशा हमारे पूरे समाज का दुश्मन है। यदि परिवार का एक सदस्य भी इस लत में पड़ जाता है, तो पूरे परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। साथ ही उस परिवार की मान, मर्यादा व प्रतिष्ठा भी समाज में धूमिल होती है। कहा कि नशा खत्म करने की सरकार से ज्यादा जिम्मेदारी समाज के ऊपर है। छात्र छात्राओं ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे।

# पूर्व शिक्षक और कर्मचारियों को सम्मानित किया

विकासनगर। श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज सहसपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कॉलेज के पूर्व शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार ढौंडियाल ने सभी को शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मुख्य शिक्षा अधिकारी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति राष्ट्र को महान बना सकता है। अपने समाज को श्रेष्ठ बना सकता है तथा अपने व्यक्तिगत विकास के सपने को भी साकार कर सकता है। छात्र–छात्राओं को आदर्श नागरिक के संस्कार ग्रहण करते हुए समाज तथा राष्ट्र के हित में कार्य करने का संकल्प लेकर अपने जीवन पथ पर अग्रसर रहना चाहिए। मुख्य शिक्षा अधिकारी ढौंडियाल ने प्रधानाचार्य डॉ. सैनी के प्रधानाचार्य के रूप में कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के सहयोग से विद्यालय में भौतिक संसाधन जुटाए हैं। कहा कि सेवानिवृत शिक्षकों तथा कर्मचारियों को विद्यालय में निमंत्रित कर उनका सम्मान किया जाना एक अनुकरणीय पहल है। इस दौरान महावीर सिंह चौधरी, सुनीता चौधरी, अर्जुन लाल कोहली, चन्द्र मोहन देवरानी, पदमावती, रामचरण बौठियाल, मौ.यामीन खान, सहेंद्र पाल, कुंवर सिंह बिष्ट, दिनेश वार्ष्णेय, दयाराम, जयपाल सिंह, महेंद्र सिंह, गीता देवी आदि सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को मुख्य शिक्षा अधिकारी ने शाल और पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया।

## भ्रष्टाचार और मणिपुर मामले में कांग्रेस का 18 को राजभवन कूच

देहरादून। गौतम अदाणी व उनके सहयोगियों पर अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से लगाए गए आरोपों और मणिपुर में निरंतर हिंसा के विरोध में कांग्रेस देशभर में विरोध प्रदर्शन करेगी। इसी क्रम में देहरादून में 18 दिसंबर को पार्टी ने राजभवन कूच का ऐलान किया है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि इसी दिन पहले कांग्रेस मुख्यालय में अध्यक्ष करन माहरा एक सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रातः 11 बजे के आसपास राजभवन तक मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि गौतम अदाणी और उनके सहयोगियों पर अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से लगाए गए आरोपों ने भाजपा–अडानी गठजोड़ के भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और छल की कथित जालसाजी का पर्दाफाश किया है। इससे कांग्रेस पार्टी के आरोपों पर मुहर लगी है।

# बैडमिंटन में दून के आयुष और फरदीन ने मारी बाजी

देहरादून। युवा कल्याण विभाग की ओर से आयोजित खेल महाकुंभ की अंडर–20 बैडमिंटन प्रतियोगिता में देहरादून के आयुष और फरदीन ने जीत दर्ज की। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज और ननूरखेड़ा में शनिवार को बैडमिंटन, जूडो, बास्केटबॉल समेत विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं हुईं। अंडर–17 बालक वर्ग के जूडो 55 किग्रा के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में दून के निखिल थापा ने पिथौरागढ़ के अनिश सिंह, नैनीताल के पुष्कर ने उत्तरकाशी के कन्हैया, उधमसिंहनगर के अरुण ने अल्मोड़ा के योगेश, हरिद्वार के मनीष कुमार ने पौड़ी के प्रियांशु को शिकस्त दी। 60 किग्रा भारवर्ग में नैनीताल के अमन कुमार ने उधमसिंह नगर के दीपक को हराया। 66 किग्रा भारवर्ग में देहरादून के आदित्य ने नैनीताल के हिमांशु, उधमसिंहनगर के आकाश ने पिथौरागढ़ के राजेश को शिकस्त दी। अंडर–20 आयु वर्ग के 60 किग्रा भारवर्ग में उधमसिंहनगर के मोहित ने पिथौरागढ़ के गौरव, हरिद्वार के मोंटी ने टिहरी के रोहित को मात दी। 66 किग्रा भारवर्ग में हरिद्वार के योगेंद्र ने नैनीताल के मनीष भाकुनी, दून के अनिमेश ने यूएसनगर के सोनू को हराया। मिनी स्टेडियम ननूरखेड़ा में अंडर–17 बालक वर्ग कबड्डी की प्रतियोगिता में देहरादून ने अल्मोड़ा, टिहरी की टीम ने पौड़ी को, हरिद्वार ने उत्तरकाशी को, रुद्रप्रयाग ने चमोली को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। अंडर–20 वर्ग में देहरादून ने उत्तरकाशी, उधमसिंह नगर ने चमोली को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। हरिद्वार चम्पावत, बागेश्वर पौड़ी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई है। मौके पर जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद चन्द्र पाण्डेय, डीएन द्विवेदी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एनएन पाण्डेय, व्यायाम प्रशिक्षक रेखा, मानसी, सौरभ, सचिन रावत, नीरज सौन, चंचल सिंह आदि मौजूद थे।

# वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को लेकर संवेदनशील हों विभाग

देहरादून। उत्तराखंड में वरिष्ठ नागरिकों आकस्मिक दुर्घटनाओं के समय तत्काल सहायता और राहत उपलब्ध कराने के लिए 13 साल पहले भारत सरकार की ओर से लागू अधिनियम 2007 के अंतर्गत उत्तराखंड माता पिता वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण नियमावली 2011 के कानून लाल फीता शाही के शिकार हो रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को लेकर विभाग संवेदनशील हों, इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। यह बात सुरक्षा व स्वास्थ्य की चुनौतियां विषय पर संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से जाखन में आयोजित जनसंवाद में वक्ताओं ने वक्ताओं ने कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस संबंध में जरूरी कदम उठाने होगें। संगठन के महासचिव सुशील त्यागी ने बताया की वरिष्ठ नागरिकों की थानावार अद्यतन सूची देहरादून को छोड़कर अन्य जनपदों में शायद ही बनाई गई होगी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं हल करने को लेकर विभागों में संवेदनशीलता का अभाव है।

उन्होंने कहा कि नियमों के तहत थानावार कल्याण समितियां बनाकर संचार माध्यमों से उनके द्वारा उठाए गए कदमों का प्रसारण किया जाना था, जो 13 साल में भी धरातल पर नहीं उतरा। उन्होंने कहा कि दून को छोड़ अन्य जिलों में जिला समितियां गठित ही नहीं हुई। आयोजन के मुख्यअतिथि पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी ने कहा कि अपराधों की रोकथाम में आमजन को पारस्परिक सहयोगात्मक भावना सहित पुलिस विभाग के साथ सहयोगात्मक रुख अपनाना चाहिए। पूर्व उप शिक्षा निदेशक कमला पंत ने कहा कि जीवन की चुनौतियों का सामना साहस के साथ आखिरी सांस तक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ करना जरूरी है। पूर्व उपनिदेशक स्वास्थ्य अजीत गैरोला ने बीमारियों की रोकथाम, जीवनचर्या, खानपान की आदतों में सुधार आदि विषयों पर प्रकाश डाला। समाज सेवी चंद्रगुप्त विक्रम ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान पार्षद देवेंद्र पाल मोंटी ने किया। अध्यक्षता ब्रिगेडियर केजी बहल ने की। इस दौरान ओएनजीसी के वयोवृद्ध इंजीनियर की हत्या के दोषियों को पकड़ने में सफलता के लिए पुलिस विभाग की भी प्रशंसा की गई।

## आरव का अंडर–23 उत्तराखंड क्रिकेट टीम में चयन

देहरादून। बीसीसीआई की अंडर–19 कूच बिहार ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर आरव महाजन का उत्तराखंड की अंडर–23 उत्तराखंड टीम में चयन हुआ है। आरव रांची झारखंड में 19 दिसंबर से शुरू होने जा रहे अंडर–23 वन डे टूर्नामेंट में उत्तराखंड टीम में शामिल रहेंगे। आरव कोच राहुल साहनी के निर्देशन में देहरादून में कोचिंग ले रहे हैं। साहनी ने बताया कि आरव ने कोच बिहार ट्रॉफी में 05 मैचों में 475 रन बनाए थे। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। टूर्नामेंट में उनका सर्वाधिक स्कोर 142 रन नॉट आउट था। यही नहीं वीनू मांकड़ ट्रॉफी में भी उन्होंने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिया। चार मैचों में आरव ने 186 रन बनाए।

# सड़क दुर्घटनाओं को लेकर जताई चिंता

देहरादून। देहरादून सिटीजन्स फोरम की ओर से शनिवार को राजपुर रोड स्थित पैसिफिक मॉल के पास सुरक्षित ड्राइविंग विषय पर सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वक्ताओं ने उत्तराखंड में हाल ही हुई सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंता जताई। कार्यक्रम में जिम्मेदार ड्राइविंग को लेकर अधिक सार्वजनिक जागरूकता की आवश्यकता पर विचार विमर्श हुआ। लोगों ने सड़क दुर्घटनाओं से प्रभावित परिवारों पर पड़ने वाले दर्दनाक प्रभावों को साझा किया। एक प्रमुख विषय यह था कि सड़क सुरक्षा केवल एक व्यक्तिगत कर्तव्य नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि सड़क सुरक्षा एक साझा दायित्व है, जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि सभी को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। ओवरस्पीड वाहन चलाने और शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचना चाहिए। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर पोस्टर और स्टिकर वितरित किए गए। इस दौरान पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के रवि बिजारनिया, सुरेश भट्ट, अनिल सत्ती, सिटीजन्स ऑफ ग्रीन दून से जया सिंह, ईरा चौहान, फ्रेंड्स ऑफ दून से फ्लोरेंस पांधी, सुधीर वाड़ेरा, मैड से प्रिंस कपूर, इंटक से अंजली भरतरी, नितिन शाह, कुसुम कोहली, परमजीत सिंह कक्कड़, विनोद नौटियाल, राजीव सचर, शफाली राय, रवि जैन, लेफ्टिनेंट कर्नल सनी बख्शी (सेवानिवृत्त), गौरांग चौहान, अजय दयाल, सारा दयाल, गौतम कुमार, अभिषेक भट्ट, सुनीत वर्मा, भारती जैन, अनिश लाल, रेतू चटर्जी, अनूप नौटियाल आदि मौजूद थे।

## मारपीट में एक का शांतिभंग में चालान

रुड़की। कमेटी के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। पुलिस ने एक पक्ष के एक व्यक्ति का शांतिभंग में चालान किया है। ताराचंद पुत्र हरमल, निवासी गांव खटका और धर्म सिंह पुत्र नकली राम, निवासी खटका को कमेटी के पैसों के लेनदेन पर हुए विवाद में थाने बुलाया गया था।

# बन्नाखेड़ा इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

काशीपुर। राजकीय इंटर कॉलेज बन्नाखेड़ा में शनिवार को आयोजित नशा मुक्ति एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के तहत पूर्व कैबिनेट मंत्री और गदरपुर विधायक अरविन्द पाण्डेय ने विद्यार्थियों को नशा न करने और किसी को भी नशा न करने देने की शपथ दिलाई। विधायक पांडेय ने नशे से दूर रहने, नैतिक मूल्यों तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की बात कही। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों व जनसमूह से समाज को स्वस्थ, खुशहाल और नशामुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने और प्रत्येक परिस्थिति में नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उत्तराखण्ड राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था के अध्यक्ष और पूर्व सांसद बलराज पासी ने विद्यार्थियों से नशे की आदतों से स्वयं व अपने समाज को भी मुक्त रखने का संकल्प लेने की बात कही। विद्यालय प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने नशा मुक्ति कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष एसएमसी अध्यक्ष मुकेश कुमार व संचालन वीरेन्द्र कुमार व जीवन चन्द्र भट्ट ने संयुक्त रूप से किया। श्री गुरुद्वारा सिंह सभा बाजपुर के प्रधान कुलविन्दर सिंह किन्दा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एड. सुरेन्द्र शर्मा, समाजसेवी सुखचैन सिंह बाजवा, हीरा शर्मा, एस.एन. सिंह, धूम बहादुर सिंह चौहान, विनय कुमार पटेरिया, नवीन चन्द्र, सुरेश उप्रेती, राजीव सक्सैना, शिव सम्पत लाल, हिमाचल वर्मा, भीष्म प्रताप सिंह, वीरेन्द्र चौहान, जीवन चन्द्र भट्ट, सतपाल सिंह, राजेन्द्र जोशी, इन्द्रजीत, अनंत जैन, अनुज तिवारी, शुभम पाण्डेय आदि थे।

## भाषा संस्थान ने डॉ.पीताम्बर बड़थ्वाल को जयंती पर किया याद

देहरादून। उत्तराखंड भाषा संस्थान ने हिंदी के पहले डीलिट डॉ.पीताम्बर बड़थ्वाल जयंती समारोह का आयोजन परेड ग्राउंड स्थित दून पुस्तकालय में किया। भाषा मंत्री सुबोध उनियाल ने 2026 में डॉ.पीताम्बर बड़थ्वाल की जयंती को विश्व हिन्दी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में मनाने की घोषणा की। गुरुकुल की छात्राओं के मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ.पीताम्बर बड़थ्वाल के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। मंत्री सुबोध उनियाल ने हिंदी में डॉ.पीताम्बर बड़थ्वाल के योगदान को याद किया। कहा कि वह उत्तराखंड ही नहीं पूरे देश के गौरव हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के मौकों पर हमें एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। ताकि हिंदी और हिंदी के साहित्यकारों को बढ़ावा मिल सके। भाषा संस्थान की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी कार्यक्रम में दी गई। कार्यक्रम में डॉ. पीतांबर बड़थ्वाल के वंशज डॉ. प्रमोद बड़थ्वाल को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधायक राजपुर खजान दास, संस्थान की निदेशक स्वाति भदौरिया, सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी ने भी विचार रखे। संचालन वीना बेंजवाल ने किया। इस मौके पर संस्थान की ओर से प्रकाशित 'जौनसारी बोली का सांस्कृतिक एवं समाज–भाषा वैज्ञानिक अध्ययन,'जौहारी बोली का सांस्कृतिक समाजभाषा वैज्ञानिक एवं भाषा अध्ययन एवं 'कुमाउनी बोलियों का भाषाई सांस्कृतिक एवं समाज भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का भी विमोचन किया गया।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338